CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 311 ता. 22 मई 2021, शनिवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मरीज में कोरोना के लक्षण, फिर भी निगेटिव आ रही रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण का कहर जारी है, हर रोज लाखों लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। इसके अलावा बहुत सारे लोग ऐसे हैं जिनके शरीर में कोरोना के लक्षण दिखाई तो देते हैं, लेकिन आरटी-पीसीआर टेस्ट की रिपोर्ट निगेटिव आ रही है। यह एक चिंता का विषय बना हुआ है। हालांकि यह तो साफ है कि कोविड-19 की जांच के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट ही कारगर है, लेकिन जरूरी नहीं कि सटीक और सही हों। कभी-कभी रिपोर्ट निगेटिव भी आ सकती है, जो वास्तव में खतरनाक है।

दो जांच से पता चलता है व्यक्ति में कोरोना है या नहीं

रिसर्च में इसका खुलासा हुआ है कि भारत में कोविड -19 का पता लगाने के लिए दो प्रकार के टेस्ट किए जा रहे हैं। पहला आरटी-पीसीआर और दूसरा रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी)। इस दोनों टेस्ट के जरिए पता चलता है कि व्यक्ति कोरोना संक्रमित है या नहीं। डॉक्टरों का कहना है कि टेस्ट पॉजिटिव आने पर मरीज का इलाज तुरंत शुरू होना चाहिए। अगर मरीज में लक्षण है और उसकी स्थिति सामान्य है तो उसे घर पर ही आइसोलेट हो जाना चाहिए। अगर ज्यादा दिक्कत हो तो अस्पताल पहुंचना चाहिए।

लक्षण होने के बाद रिपोर्ट निगेटिव-कई लोगों को कोरोना के हल्के लक्षण दिख रहे हैं और टेस्ट रिपोर्ट भी नेगेटिव आ रही है। ऐसे लोगों के जरिए कोरोना तेजी से फैल सकता है। दरअसल कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद संक्रमित व्यक्ति दूसरे लोगों के संपर्क में आता है और वायरस को तेजी से फैलाता है। जिससे महामारी पर नियंत्रण करने में सरकार को भी परेशानी आ रही है।

आरटी पीसीआए टेस्ट कारगर , लेकिन सटीक नहीं

दरअसल, आरटी पीसीआए टेस्ट से कोविड-19 के सही नतीजे आते हैं, कोरोना की जांच के लिए यह सबसे भरोसेमंद टेस्ट है। टेस्ट वायरस का पता लगाने में काफी प्रभावी भी हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को दिए दिशा-निर्देश, कहा- कम करें दवाओं के दाम

मुंबई। देशभर में व्याप्त कोरोना महामारी के प्रकोप के बीच अब ब्लैक फंगस (म्यूकोर्मिकोसिस) नामक बीमारी भी पैर पसार रहा है। इस फंगल इंफेक्शन के लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा ने राज्यों को पत्र लिखकर कहा है कि वह ब्लैक फंगस को महामारी घोषित करें। महाराष्ट्र में भी ब्लैक फंगस के मामले बढ़ रहे हैं। यहां अब तक इस बीमारी के करीब दो हजार से अधिक केस दर्ज किए जा चुके हैं जबकि 90 मरीजों की जान जा चुकी है। इस बीच बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से ब्लैक फंगस के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं की कीमतों को कम करने की जरूरत पर ध्यान देने को कहा है। साथ ही संक्रमण के इलाज के लिए जरूरी दवाओं के उत्पादन और वितरण को भी नियमित करने को कहा है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने ब्लैक फंगस पर क्या कहा ?

जस्टिस अनिल बी शुक्रे और अविनाश बी घरोटे की नागपुर डिवीजन बेंच ने नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) और ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीजीसीआई) को ब्लैक फंगस की दवाओं को लेकर कुछ निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि दवाओं के उत्पादन के विनियमन, उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और इनके वितरण के संबंध में जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। पीठ ने यह भी कहा कि विभिन्न राज्यों में रिपोर्ट किए गए म्यूकोर्मिकोसिस केसों की संख्या के अनुसार उन्हें इस बीमारी की दवाओं को वितरित करने के संबंध में भी निर्देश जारी किया जाए।

महाराष्ट्र सरकार ने पेश की एसओपी-महाराष्ट्र सरकार ने कोर्ट के सामने 18 मई के अपने प्रस्ताव की एक प्रति पेश की, जिसमें महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना में म्यूकोर्मिकोसिस के मरीजों को भी शामिल किए जाने की बात कही गई है। एसओपी को पढ़ने के बाद पीठ ने कहा, 'कुछ दवाएं ज्यादा जहरीली होती हैं और गुर्दे जैसे अंगों को प्रभावित करती हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए हम राज्य सरकार को इन दवाओं के नुस्खे और इनके इस्तेमाल को लेकर एक विस्तृत एसओपी जारी करने का निर्देश देते हैं।'

दवाओं की कीमतों को किफायती स्तर पर लाने को कहा

वहीं, कोर्ट का ध्यान इस ओर भी लाया गया कि म्यूकोर्मिकोसिस के इलाज के लिए जिन दवाओं का उपयोग किया जा रहा है, वे काफी महंगी हैं और इन दवाओं की मात्रा और खुराक बहुत अधिक है। इस पर कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसी ही स्थिति बनी रही तो इस बीमारी का इलाज कई मरीजों की पहुंच से बाहर हो सकता है। पीठ ने

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और नक्सलियों के बीच फायरिंग

एनकाउंटर में 13 ढेर, 6 शव बरामद

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर जारी है। पुलिस की सी-60 यूनिट ने गढ़चिरौली के एटापल्ली के वन क्षेत्र में अभी तक 13 नक्सलियों को मार गिराया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने गढ़चिरौली के डीआईजी संदीप पाटिल ने के हवाले से यह जानकारी दी है। गढ़चिरौली जिले के एटापल्ली के वन क्षेत्र से शुक्रवार को कम से कम 13 नक्सलियों के शव बरामद किए गए, जहां महाराष्ट्र पुलिस की सी -60 इकाई और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। गढ़चिरौली के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) संदीप पाटिल के अनुसार, ऑपरेशन महाराष्ट्र पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता थी और संभावना है कि मुठभेड़ में और नक्सलियों का सफाया हो।

महाराष्ट्र पुलिस और नक्सलियों के बीच शुक्रवार तड़के एटापल्ली के पयडी-कोटमी जंगल में मुठभेड़ शुरू हो गई।

दो साल पहले नक्सलियों ने किया था दुश्चष्ठ ब्लास्ट

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में साल 2019 में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में 15 पुलिस कर्मियों समेत कम से कम 16 लोगों की जान चली गई थी। उस विस्फोट से सड़क पर एक विशाल खड्ड बन गया था। विस्फोट से पहले नक्सलियों ने एक सड़क निर्माण कंपनी के 27 वाहनों में आग लगा दी थी। विस्फोट में मारे गए लोगों में वाहन चालक भी शामिल था। धमाका पुलिसकर्मियों के वाहन के कुरखेड़ा क्षेत्र के लेंधारी नाले के पास पहुंचते ही हुआ था।

पंजाब के मोगा में भारतीय वायुसेना का मिग-21 विमान क्रैश, पायलट की मौत

नई दिल्ली। पंजाब के मोगा के पास शुक्रवार की रात वायु सेना का एक मिग-21 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एक पायलट की मौत हो गई। वायु सेना ने इसकी जानकारी दी है। घटना शुक्रवार रात करीब एक बजे हुई। मोगा के बाघापुराना के लांगियाना खुर्द गांव में भारतीय वायुसेना का मिग-21 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि उस समय विमान नियमित प्रशिक्षण के लिए उड़ान भर रहा था। भारतीय सेना ने कहा, बीती रात पश्चिमी सेक्टर में भारतीय वायुसेना के एक बाइसन विमान की चपेट में आने से एक विमान दुर्घटना हो गई थी। पायलट, स्क्वाड्रन लीडर अभिनव चौधरी, घातक रूप से घायल हो गए। भारतीय वायुसेना ने नुकसान पर शोक व्यक्त किया और कहा कि भारतीये सेना शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

पुलिस और वायुसेना को पायलट का पता लगाने में 3 घंटे से ज्यादा का समय लगा। पुलिस ने कहा कि वह दुर्घटनाग्रस्त इलाके के करीब 8 एकड़ गांव के खेतों में मृत पाया गया था। जानकारी मिली है कि रात करीब साढ़े नौ बजे जेट दुर्घटनाग्रस्त हुआ लेकिन रात करीब साढ़े 11 बजे इसका पता तब चला जब मोगा पुलिस के आला अधिकारी गांव पहुंचे और पायलट की तलाश शुरू की। उन्होंने आगे कहा कि तलाशी अभियान में वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी भी हमारे साथ थे और वे पायलट के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हलवारा वायुसेना स्टेशन ले गए। वायुसेना ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है। इस साल मिग-21 विमान की यह तीसरी दुर्घटना है। मार्च में, मध्य भारत के एक एयरबेस पर एक मिग-21 बाइसन विमान की दुर्घटना में भारतीय वायुसेना के एक ग्रुप कैप्टन की मौत हो गई थी।

लोगों में अब भी नहीं कोरोना का डर

स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट- 50 प्रतिशत लोग अभी भी नहीं पहनते हैं मास्क

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर का प्रकोप भारत पर ऐसा बरसा है कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था भी वायरस के आगे बेबस हो गई। हर रोज हजारों लोगों की जान जा रही है, लाखो लोग वायरस से संक्रमित हो रहे हैं। देश के कई राज्यों में लॉकडाउन लगाया गया है। लोगों से यह अपील की है कि सिर्फ जरूरी चीजों के लिए ही घर से बाहर निकलें और जब भी बाहर निकले तो मास्क जरूर लगाएं, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। लेकिन लोग इन बातों को मानते नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक 50 प्रतिशत लोग अब भी मास्क नहीं लगाते हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एक स्टडी के मुताबिक 50 फीसदी लोग अभी भी मास्क नहीं पहनते हैं, जबकि 64 फीसदी लोग जो मास्क पहनते हैं, वे नाक नहीं ढकते हैं।

एक मीडिया ब्रीफिंग में, स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि देश के आठ राज्यों में 1 लाख से अधिक सक्रिय मामले हैं, 9 राज्यों में 50 हजार-1 लाख सक्रिय मामले हैं और 19 राज्यों में 50 हजार से कम सक्रिय मामले हैं।

लव अग्रवाल ने कहा, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्य 25 प्रतिशत से अधिक सकारात्मकता दर दिखा रहे हैं जो चिंता का विषय है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत ने फरवरी के मध्य से कोरोना के साप्ताहिक परीक्षणों में लगातार बढ़ातोरी हुई है और पिछले 12 हफ्तों में औसत दैनिक परीक्षणों में 2.3 गुना वृद्धि हुई है। बताया गया है कि 10 सप्ताह तक कोविड -19 मामले की सकारात्मकता में लगातार वृद्धि के बाद, पिछले दो सप्ताह से गिरावट दर्ज की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को आए आंकड़ों में 276,110 नए कोरोना केस आए और 3874 संक्रमितों की जान चली गई है। वहीं 3,69,077 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। यानी 96,841 एक्टिव केस कम हुए हैं।

बरसात ने बनाया ऑल टाइम रिकॉर्ड, मई में 120 साल में नहीं हुई इतनी बारिश

नई दिल्ली। राजधानी में बारिश ने मई में ऑल टाइम रिकॉर्ड बना दिया है। मौसम विभाग के रिकॉर्ड के मुताबिक मई में किसी एक दिन वर्ष 1900 के बाद इतनी बारिश दर्ज नहीं की गई। बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 119.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। इससे पहले वर्ष 1976 में मई में एक दिन में सर्वाधिक 60 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई थी। अगले 24 घंटों में मौसम साफ रहेगा और धूप खिलने के साथ अधिकतम व न्यूनतम तापमान में वृद्धि होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में मंगलवार को बारिश होने लगी थी। इसके बाद बुधवार को पूरे दिन बारिश का दौर जारी रहा और रात आठ बजे तक ही 60 मिमी बारिश का रिकॉर्ड टूट चुका था। इसके बाद भी रातभर रुक-रुक कर बारिश चलती रही। सुबह साढ़े आठ बजे तक ।119.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके साथ ही अधिकतम तापमान सामान्य से 19 डिग्री सेल्सियस कम 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। इससे पहले वर्ष 1951 में इससे कम तापमान में रहा था। इसके बाद 13 मई 1982 को 24.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा था। राष्ट्रीय मौसम भविष्यवाणी केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आरके जेनामनी के मुताबिक वर्ष 1900 के बाद मई में किसी एक दिन में इतनी बारिश दर्ज नहीं हुई है। दिल्ली में आमतौर पर 24 घंटे में अधिकतम 30-40 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस बार अरब महासागर व पश्चिमी विक्षोभ की वजह से इतनी बारिश दर्ज हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, बृहस्पतिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 9 कम 31.4 व न्यूनतम तापमान सामान्य से 7 कम 19.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कोरोना संकट के बीच आई एक नई मुसीबत, भारत में तेजी से पैर पसार रहा 'ब्लैक फंगस'

नई दिल्ली। 'ब्लैक फंगस' यानी 'म्यूकर माइकोसिस' भारत में तेजी से पांव पसार रहा है। बीते एक महीने में देश में पांच हजार से ज्यादा संक्रमितों की पहचान हो चुकी है। तेजी से फैलते संक्रमण को देखते हुए केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों से इसे महामारी रोग अधिनियम-1897 के तहत अधिसूचित करने का आग्रह किया है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बाद अब तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, ओडिशा व तेलंगाना की सरकारों ने भी इसे महामारी रोग अधिनियम-1897 के तहत अधिसूचित बीमारी घोषित कर भी दिया है।

तमिलनाडु के स्वास्थ्य सचिव जे राधाकृष्णन ने गुरुवार को कहा, मौजूदा

समय में राज्य में 'ब्लैक फंगस' से संक्रमित नौ लोगों का इलाज चल रहा है। इनमें से छह पुराने, जबकि तीन नए मामले हैं। सात मामलों में पीड़ित डायबिटीज के रोगी हैं और हाल ही में कोविड-19 से उबरे हैं। सभी की स्थिति स्थिर है। उन्होंने बताया कि 'ब्लैक फंगस' कोरोना महामारी की शुरुआत से पहले ही अस्तित्व में आ चुका था। अनियंत्रित ब्लड शुगर, स्टेरॉयड का सेवन और लंबे समय तक गहन चिकित्सा इकाइयों में रहना इस संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। वहीं, कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने कहा कि 'म्यूकरमाइकोसिस' राज्य में अब अधिसूचित रोग है। कोई भी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र, जिसमें संक्रमण के इलाज की क्षमता है, किसी भी मरीज को भर्ती करने से इंकार नहीं कर सकता। इस संबंध में आधिकारिक आदेश जल्द जारी किया जाएगा। उधर, तेलंगाना ने 'ब्लैक फंगस' को अधिसूचित बीमारी घोषित करते हुए सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य केंद्रों को इसकी जांच, निदान व प्रबंधन के लिए केंद्र की ओर से तय दिशा-निर्देशों का पालन करने का आदेश दिया। ओडिशा और असम की सरकारों ने भी 'ब्लैक फंगस' को महामारी रोग अधिनियम-1897 के तहत अधिसूचित करते हुए सभी पुष्ट व संदिग्ध मामलों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग से साझा करना अनिवार्य बना दिया है।

ब्लैक फंगस का कहां कितना कहर-गुजरात- बीते एक महीने में 1163 से ज्यादा मरीज 'ब्लैक फंगस' की चपेट में आ चुके हैं। 40 से ज्यादा मौतें दर्ज की गई, राजकोट और सौराष्ट्र क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित, सूरत मेडिकल कॉलेज ने इलाज के लिए अलग वॉर्ड बनाया।

एंटीजन जांच से ज्यादा सटीक परिणाम दे रहे कुत्ते

एयरपोर्ट पर की गई तैनाती

नई दिल्ली। इंसानों में कोरोना का पता लगाने में खोजी कुत्ते, आरटीपीसीआर जांच की तरह बेहद सटीकता से पता लगा सकने में सक्षम हैं। ये बात सुनने में भले अटपटी लगे पर फ्रांसीसी वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया कि सूंघने की शक्ति के लिए प्रशिक्षित किए गए कुत्ते, इंसानी पसीने की महक से उनमें कोरोना संक्रमण का सटीक अनुमान लगा सकते हैं। इतना ही नहीं, ये कुत्ते कोविड स्क्रीनिंग का काम मिनटभर में करने में सक्षम हैं जबकि रैपिड एंटीजन जांच से संक्रमण का पता लगाने में कम से कम 15 मिनट लगते हैं।

पेरिस के नेशनल वेटरनरी स्कूल ऑफ एल्फोर्ड के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि कुत्ते अपनी सूंघने की क्षमता के बल पर इंसानों में कोरोना संक्रमण का 97 प्रतिशत तक सटीक अंदाजा दे सकता है। शोधकर्ता डॉमिनिक ग्रैंडजीन ने बताया कि इंसानी शरीर कोरोना संक्रमण के खिलाफ जो प्रतिक्रिया देता है, वह उसके पसीने और सलाइवा में भी प्रदर्शित होती है जिससे कुत्ते सूंघकर पहचान सकते हैं।

वायरस का पता लगाने में पहली बार इस्तेमाल

ग्रैंडजीन का कहना है कि अब तक कुत्तों को किसी विस्फोटक या ड्रग्स का पता लगाने

के लिए ही प्रशिक्षित किया जाता रहा है पर कोरोनाकाल में ऐसा पहली बार हुआ जब उनकी सूंघने की क्षमता का उपयोग इस वायरल रोग का पता लगाने के लिए किया जा रहा है। कुत्तों की सूंघने की क्षमता को लेकर ही एक अन्य शोध पेनेसोल्वेनिया स्कूल ऑफ वेटरनरी मेडिसिन डॉग सेंटर भी कर रहा है, जिसमें यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि क्या कुत्ते टीका लगवा चुके लोगों और संक्रमित लोगों के बीच अंतर कर पाएंगे। अगर ऐसा संभव हुआ तो ऐसे प्रशिक्षण प्राप्त कुत्तों की मांग और बढ़ जाएगी।

300 कोरोना जांचें कर सकता एक कुत्ता- डब्लूएचओ

एक अंतरराष्ट्रीय टास्क फोर्स ने पाया है कि एक खोजी कुत्ता एक दिन में 300 इंसानों की कोविड स्क्रीनिंग कर सकता है और इसके लिए उस व्यक्ति से सीधे संपर्क में आने की जरूरत भी नहीं होगी। जिस तरह एंटीजन जांच करने के लिए नाक से स्वाब नमूने लेने की आवश्यकता होती है, इस तरह का संपर्क नहीं करना पड़ेगा और बेहद कम समय व संसाधन में कोरोना जांच हो जाएगी। इस अंतरराष्ट्रीय टास्क फोर्स का समन्वय विश्व स्वास्थ्य संगठन ने किया जो कि खोजी कुत्तों के कोविड स्क्रीनिंग में उपयोग को लेकर बनायी गई।

एयरपोर्ट पर किए गए तैनात

फिनलैंड के हेलसिंकी-वांता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संक्रमित यात्रियों का पता लगाने के लिए खोजी कुत्तों को तैनात किया जा चुका है। कई अन्य देशों में भी खोजी कुत्तों को कोरोना संक्रमण से जुड़ी महक के विषय में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

एक हजार गुना ज्यादा सूंघने की क्षमता

कुत्तों में सूंघने की क्षमता इंसानों के मुकाबले एक हजार गुना ज्यादा होती है, कुत्तों की इस शक्ति का उपयोग अब मधुमेह से लेकर मलेरिया जैसे रोगों तक का पता लगाने के लिए किया जा रहा है।

CMYK

सार समाचार

यूपी टूरिज्म ने जारी किया पोस्टर, वाराणसी में गंगा घाट यूनेस्को की संभावित विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल

नई दिल्ली। काशी के गंगा के घाटों को विश्व धरोहर स्थलों की संभावित सूची में शामिल किए जाने पर यूपी टूरिज्म ने पोस्टर जारी किया है। इसमें गंगा घाट की दिव्य छटा को प्रदर्शित करते हुए इस उपलब्धि को मील का पत्थर बताया है। दरअसल काशी में विश्वनाथ दरबार और गंगा की धार देश-दुनिया के आकर्षण का केंद्र है। इसकी एक झलक के लिए दूर देश से सैलानी खींचे चले आते हैं। यहां एक ओर गंग घाट पर उतरती सूर्य की किरणें और दूसरी ओर घाटों की छटा यानी सुबह-ए-बनारस की झांकी देख भाव विभोर हो जाते रहे हैं। संध्याकाल दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भी हाजिरी लगाते रहे हैं। कोरोना काल में बंदिशों के कारण भले ही पर्यटकों का अकाल हो लेकिन इसे देखने-समझने और महसूस करने के लिए हर साल 60 से 65 लाख तक पर्यटक व तीर्थयात्री आते रहे हैं। स्नान, ध्यान के साथ ही ज्ञान गंगाा में गोते लगाते रहे हैं। इस सूची में पहले स्थान पर वाराणसी का गंगा घाट, दूसरे स्थान पर कांचीपुरम के मंदिर, तीसरे स्थान पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, चौथे स्थान पर हीरे बेंकर महापाषाण स्थल, पांचवें स्थान पर मराठा सैन्य वास्तुकला और छठवें स्थान पर जबलपुर का भेड़ाघाट लमेटाघाट को शामिल किया गया है।

सोमवार को अमेरिका की यात्रा पर जायेंगे विदेश मंत्री एस जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर सोमवार 24 मई से पांच दिवसीय यात्रा पर अमेरिका जायेंगे जहां वे अमेरिकी कंपनियों के साथ कोविड-19 रोधी टीके की खरीद और बाद में इसके संयुक्त उत्पादन की संभावना के बारे में चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय से जारी एक बयान में कहा गया है, '' विदेश मंत्री एस जयशंकर 24 से 28 मई 2021 तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। न्यूयार्क में उनके संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस से मुलाकात की संभावना है। '' मंत्रालय ने बताया कि जयशंकर वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन के साथ चर्चा करेंगे। वे अमेरिकी मंत्रिमंडल के सदस्यों एवं वहां के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों के बारे में चर्चा करेंगे। बयान के अनुसार, विदेश मंत्री की यात्रा के दौरान उनका, भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक एवं कोविड-19 महामारी से जुड़े सहयोग को लेकर कारोबारी मंचों से संवाद का कार्यक्रम है। जयशंकर की अमेरिका यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब एक दिन पहले ही विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि भारत, अमेरिकी उद्यमों के साथ कोविड-19 रोधी टीकों की खरीद और बाद में देश में उसके उत्पादन की संभावना के बारे में बातचीत कर रहा है।

अंधविश्वास! तमिलनाडु में बना कोरोना देवी का मंदिर, आम लोगों को मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं

कोयंबटूर। कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया है और तमिलनाडु का कोयंबटूर जिला भी इससे अछूता नहीं है। ऐसे में लोग इस महामारी से बचाव के लिए ईश्वरीय शक्तियों से हस्तक्षेप की उम्मीद कर रहे हैं और इसी कड़ी में शहर के बाहरी इलाके में 'कोरोना देवी' का मंदिर स्थापित किया गया है। यह मंदिर 'प्लेग मरियम्मन मंदिर' की तरह है जिसकी स्थापना करीब 150 साल पहले प्लेग की महामारी से बचाव के लिए की गई थी। शहर के बाहरी इलाके इरुगुर में कामत्तिपुरी अधीनम नामक मठ ने इस मंदिर की स्थापना की है जिसमें 'कोरोना देवी' की प्रतिमा स्थापित की गई है। अधीनम के सूत्रों ने बताया कि काले पत्थर से बनी करीब डेढ़ फुट की यह प्रतिमा मठ परिसर के भीतर ही मंदिर में स्थापित की गई है और रोजाना इस महामारी से लोगों को बचाने के लिए प्रार्थना की जा रही है जो 48 दिनों तक चलेगी। हालांकि, किसी महामारी के दौर में उक्त बीमारी के नाम पर मंदिर स्थापित करने का यह पहला मामला नहीं है। जब जिले में एक सदी पहले प्लेग का प्रकोप था और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही थी तब भी मरियम्मन की प्रतिमा स्थापित की गई थी और लोगों ने उनकी पूजा शुरू की थी। सूत्रों ने बताया कि महामारी के चलते केवल पुजारी और मठ के अधिकारियों को ही कोरोना देवी के मंदिर में जाने की अनुमति है और सामाजिक दूरी का सख्ती से अनुपालन किया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा- देश में सबसे ज्यादा कोरोना टेस्ट करने वाला राज्य है उत्तर प्रदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंटीग्रेटेड कोविड-19 कमांड सेंटर का निरीक्षण करने के बाद लखीमपुर खीरी के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिस तरह से कहा जा रहा था कि 25 अप्रैल

से 10 मई के बीच उत्तर प्रदेश में एक लाख कोरोना के मामले प्रतिदिन आएंगे। आज 7,700 के आसपास पॉजिटिव मामले आए हैं। पिछले 20 दिन के अंदर 2,04,000 सक्रिय मामलों की संख्या कम हो गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में सबसे ज्यादा कोरोना टेस्ट करने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। 4,62,00,000 से अधिक टेस्ट किए गए हैं। 1,60,00,000 से अधिक लोगों को हमने अब तक वैक्सीन दी है। 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को लगभग 8,00,000 से ज्यादा वैक्सीन दे चुके हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत कल से 15 करोड़ लोगों को मुफ़्त में राशन देने की शुरूआत हो चुकी है। जो लोग रोज कमाने वाले श्रेणी में आते हैं और कोरोना से उनकी आजीविका प्रभावित हुई है, ऐसे लोगों को हम जून से भरण-पोषण भत्ता देना शुरू करेंगे।

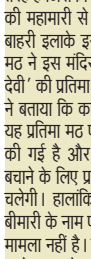

केंद्र सरकार जनविरोधी, छत्तीसगढ़ सरकार ला रही किसानों के जीवन में खुशहाली: सोनिया गांधी

रायपुर। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि ऐसे वक्त में जब भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार जनविरोधी गतिविधियों में लिप्त है और किसानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है, छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार किसानों के जीवन में खुशहाली लाने की दिशा में प्रयासरत है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' के तहत राज्य के 22 लाख किसानों को खरीफ सीजन 2020-21 की पहली किस्त के रूप में 1500 करोड़ रुपए की कृषि आदान सहायता राशि (इनपुट सब्सिडी) का अंतरण उनके बैंक खातों में किया। इस अवसर पर बघेल ने सोनिया गांधी का लिखित संदेश पढ़ा।

गांधी ने अपने खित संदेश में कहा है, ''मौजूदा परिवेश में केंद्र की भाजपा नीत सरकार जनविरोधी गतिविधियों में लिप्त है। खासकर किसानों के हित के प्रति उदासीन है। उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उनके खिलाफ हर संभव कदम उठा रही है, कानून बना रही है, शोषण कर रही है। मुझे इस बात का संतोष है कि ऐसे वक्त में छत्तीसगढ़ कांग्रेस अपने चुनावी घोषणापत्र के वादों गंभीरता से अमल करते हुए आम जन और किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाकर उनके जीवन में खुशहाली पैदा करने की दिशा में सतत प्रयासरत है।'' उन्होंने कहा कि 'न्याय' योजना के तहत धान और गन्ना उत्पादकों के लिए निर्धारित अनुदान राशि में से 1500 करोड़ रुपए की पहली किस्त आज दे रही है, जो प्रशंसनीय कदम है। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के छत्तीसगढ़ प्रभारी पीएल पुनिया ने सेंट्रल विस्टा को लेकर केंद्र सरकार को घेरा और कहा कि राज्य सरकार ने आर्थिक संकट के दौरान मुख्यमंत्री निवास और राजभवन का निर्माण कार्य रोक दिया और किसानों से किए गए वादों को पूरा किया।

पुनिया ने कहा कि महामारी के दौर में पूरा देश आर्थिक संकट से जूझ रहा है, ऐसी स्थिति में भी राज्य सरकार किसानों से किए गए वादे पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट को देखते हुए विधानसभा भवन, मुख्यमंत्री आवास और राजभवन का निर्माण कार्य रोक दिया गया है, लेकिन किसानों से किए गए वादे पूरे किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत राज्य के 22 लाख किसानों को खरीफ सीजन 2020-21 की पहली किस्त के रूप में 1500 करोड़ रुपए की कृषि आदान सहायता राशि (इनपुट सब्सिडी) का अंतरण उनके बैंक खातों में किया। इसके साथ ही गोधन न्याय योजना के तहत राज्य के करीब 72 हजार पशुपालकों को 15 मार्च से 15 मई तक गोबर खरीदी के एवज में सात करोड़ 17 लाख रूपए तथा गौठान समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को 3.6 करोड़ रुपए की राशि ऑनलाइन अंतरित किया।

कोरोना की तीसरी लहर को लेकर हर्षवर्धन ने कही ये बात, ब्लैक फंगस पर जताई चिंता

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ.हर्षवर्धन ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोरोना वायरस की मौजूदा स्थिति और वैक्सीनेशन पर 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्लैक फंगस के केस देश में जगह-जगह आ रहे हैं, सरकार और विशेषज्ञों के माध्यम से सभी संबंधित जानकारियां दी जा रही हैं। इसकी दवाई के उत्पादन को बढ़ाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने देखा है? कि देश में? जिन लोगों को वैक्सीन लग रही है उसमें कमी आई है। हमें इसे बढ़ाना होगा। भारत में आज लगातार आठवें दिन कोरोना वायरस के नए मामलों से ज़्यादा रिकवरी दर्ज की गईं। देश में लगातार पांचवें दिन कोरोना वायरस के 3 लाख से कम नए मामले आए। कोरोना की तीसरी लहर पर डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि इस बात की चर्चा है कि आएगी, नहीं आएगी, कब आएगी। इस पर कोई विश्वास के साथ कुछ नहीं कह सकता। आने वाले वक्त में वायरस में और म्यूटेशन होगा तो बच्चे प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए बच्चों को ध्यान में रखकर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो ये जरूरी है।

पीएम मोदी की डॉक्टर्स के साथ बातचीत, कहा- ब्लैक फंगस की नयी चुनौती सामने है, निपटने के लिए तैयार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश वाराणसी के डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत की। इस दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना पर नया मंत्र दिया। कोरोना पर बातचीत करते हुए पीएम मोदी ने डॉक्टरों सहित फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और उनके योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया। पीएम मोदी ने कहा वाराणसी ने जिस तरह से पं राजन मिश्रा ष्ट्दृ्ढ्ढस्रष्ठ अस्पताल को सुसज्जित किया है और इतने कम समय में शहर में ऑक्सीजन बेड और आईसीयू बेड की संख्या में वृद्धि करके एक महान उदाहरण स्थापित किया है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें कोरोना महामारी की इस अदृश्य दुश्मन से बच्चों सहित लोगों को बचाना है। इसके अलावा उन्होंने कोरोना से जान गवांने वाले लोगों को भी श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों से कहा कोविड-19 की दूसरी लहर ने स्वास्थ्य प्रणाली को दबाव में डाल दिया है, कई मोर्चों पर इससे निपटना होगा। कोरोना के दौरान फैल रही ब्लैक फंगस की बीमारी पर भी पीएम मोदी ने बात की और कहा कि कोरोना के साथ ब्लैक फंगस महामारी जैसी एक नयी चुनौती भी सामने आयी है। इससे निपटने के लिए हमें सही से तैयारी करनी होगी। हमें जनता ने प्यार दिया तो उनकी नाराजगी भी सुननी पड़ेगी। हम तैयार है। हर परिस्थिति से निपटने के लिए। प्रधानमंत्री ने महामारी के कारण असमय अपनी जान गंवाने वाले काशी क्षेत्र के लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वह थोड़ी देर के लिए भावुक भी हो गए। कोरोना की दूसरी लहर में टीकाकरण से हो रहे फायदों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''टीके की सुरक्षा के चलते काफी हद तक हमारे अग्रिम मोर्चा पर तैनात कर्मी सुरक्षित रहकर लोगों की सेवा कर पाए हैं। यही सुरक्षा कवच आने वाले समय में हर व्यक्ति तक पहुंचेगा। हमें अपनी बारी आने पर वैक्सीन जरूर लगवानी है।''उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई में अभी इन दिनों ब्लैक फंगस की एक और नई चुनौती भी सामने आई है। उन्होंने कहा, ''इससे निपटने के लिए जरूरी सावधानी बरतनी है और व्यवस्था पर भी ध्यान देना जरूरी है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी के साझा प्रयासों से महामारी के इस हमले को काफी हद तक संभालने में मदद मिली है लेकिन अभी संतोष का समय नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमें अभी एक लंबी लड़ाई लड़नी है। अभी हमें ग्रामीण इलाकों पर भी बहुत ध्यान देना है। कोविड के खिलाफ गांवों में चल रही लड़ाई में आशा और एएनएम बहनों की भी भूमिका बहुत अहम है। मैं चाहूंगा कि इनकी क्षमता और अनुभव का भी ज्यादा से ज्यादा लाभ लिया जाए।''''जहां बीमार वहीं उपचार'' के सिद्धांत पर काम करने की आवश्यकता जताते हुए मोदी ने छोटे-छोटे निषिद्ध क्षेत्र बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''घर-घर दवाइयां बांटने के अभियान को ग्रामीण इलाकों में जितना हो सके, उतना व्यापक करना है।'' इससे पहले प्रधानमंत्री ने पंडित राजन मिश्रा कोविड अस्पताल सहित वाराणसी के विभिन्न कोविड अस्पतालों के कार्यों की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने जिले के अन्य गैर-कोविड अस्पतालों के कार्यों की भी समीक्षा की। पंडित राजन मिश्रा कोविड अस्पताल का निर्माण रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और सेना के संयुक्त प्रयासों से आरंभ किया गया है। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 के 7735 नये मामले सामने आए हैं।

हिंसा के कारण लोगों के पलायन को रोकने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई को सहमत हुआ सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में हिंसा के कारण लोगों के कथित पलायन को रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकार को निर्देश देने के अनुरोध वाली एक याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई करने के लिए शुक्रवार को सहमति जताई। न्यायमूर्ति विनीत सरण और न्यायमूर्ति बी आर गवई की अवकाशकालीन पीठ को वरिष्ठ अधिवक्ता पिंकी आनंद ने बताया कि पश्चिम बंगाल में चुनाव से संबंधित हिंसा के कारण एक लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गये हैं। उन्होंने पीठ से कहा कि इस मामले में तत्काल सुनवाई जरूरी है क्योंकि लोग अपने घरों को छोड़कर जाने तथा आश्रय केंद्रों एवं शिविरों में रहने के लिये मजबूर हैं। पीठ ने कहा, ''ठीक है, हम अगले सप्ताह मामले में सुनवाई करेंगे।'' सामाजिक कार्यकर्ता अरुण मुखर्जी और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं, हिंसा पीड़ितों तथा वकीलों द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि वे पश्चिम बंगाल में दो मई से हिंसा से प्रताड़ित हैं। इसमें आरोप लगाया गया है कि पुलिस और राज्य सरकार प्रायोजित गुंडे आपस में मिले हुए हैं जिसकी वजह से पुलिस पूरे मामले में केवल मूकदर्शक साबित हुई है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस लोगों को प्राथमिकी दर्ज नहीं कराने के लिए धमका रही है। जनहित याचिका में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों के कारण लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं और पश्चिम बंगाल में तथा राज्य के बाहर आश्रय घरों तथा शिविरों में रहने को विवश हैं। याचिका में कहा गया है कि राज्य समर्थित हिंसा की वजह से पश्चिम बंगाल में लोगों के पलायन ने उनके जीवन से जुड़े गंभीर मानवीय मुद्दों को उठाया है। संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त मौलिक अधिकारों का हनन करके इन लोगों को पलायन करने के लिये बाध्य किया गया है। याचिका में इन विस्थापित व्यक्तियों के लिये पुनर्वास आयोग गठित करने, परिवार के सदस्यों को खोने के साथ ही संपत्ति और आजीविका के साधन से वंचित होने के लिये उन्हें समुचित मुआवजा दिलाने का भी अनुरोध किया गया है।

राहुल, प्रियंका गांधी सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा तथा पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के विकास में उनके योगदान को याद किया। राहुल गांधी ने 'वीर भूमि' जाकर अपने पिता की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने ट्विटर पर अपने पिता की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा, ''सत्य, करुणा, प्रगति।'' वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी अपने पिता को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राजीव गांधी की एक तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''प्रेम से बड़ी कोई ताकत नहीं है, दया से बड़ा कोई साहस नहीं है, करुणा से बड़ी कोई शक्ति नहीं है और विनम्रता से बड़ा कोई गुरु नहीं है।'' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश राजीव गांधी को एक ऐसे नेता के तौर पर हमेशा याद करेगा जिन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी। उन्होंने एक बयान में कहा, ''राजीव जी को हमेशा याद किया जाएगा क्योंकि वह औद्योगिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी की 21वीं सदी की तरफ भारत को ले गए। सब जानते हैं कि देश में दूरसंचार क्रांति की शुरुआत राजीव गांधी जी ने की।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने राजीव गांधी को याद करते हुए ट्वीट किया, ''आज हम भारत के सबसे महान बेटों में से एक और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को उनके शहादत दिवस पर याद करते हैं और श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। वह विचारों और ऊर्जा से ओत-प्रोत थे और भारत को एक बड़ी ताकत बनाने का उनका सपना था।'' पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला और कई अन्य नेताओं ने भी राजीव गांधी को याद किया। राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस, कोरोना महामारी से निपटने के लिए मास्क पहनने और टीकाकरण के पंजीकरण को लेकर जागरुकता अभियान चला रही है। उसकी प्रदेश इकाई और युवा कांग्रेस तथा कांग्रेस अन्य संगठन कोरोना प्रभावित परिवारों को भोजन सामग्री भी वितरित कर रहे हैं। गौरतलब है कि 21 मई, 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरूंबुदूर में एक विस्फोट में राजीव गांधी की मौत हो गयी थी।

कोर्ट ने खारिज की आसाराम की जमानत याचिका, ठीक होते ही जेल जाने को कहा

जोधपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम की अंतरिम जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। याचिका में आसाराम ने हरिद्वार जाकर आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज कराने के लिए जमानत देने का अनुरोध किया था। अदालत ने जोधपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की चिकित्सा रिपोर्ट पर गौर करने के बाद दुष्कर्म में मामले में कैद आसाराम को जमानत देने से इनकार कर दिया। आसाराम को कोविड-19 होने के बाद एम्स जोधुपर में भर्ती किया गया है। न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति देवेंद्र कछवाहा की पीठ ने चिकित्सा रिपोर्ट देखने के बाद जिला और जेल प्राधिकार को निर्देश दिया कि वह आसाराम को योग्य चिकित्सा संस्थान में उचित इलाज सुनिश्चित करे।

अदालत ने कहा कि आसाराम को जेल में लौटने पर पौष्टिक आहार और सुरक्षित वातावरण मुहैया कराया जाए। आसाराम की जमानत याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने चिकित्सा बोर्ड की अनुशंसा का हवाला दिया जिसके मुताबिक कैदी की हालत स्थिर है और वह अस्पताल से छुट्टी मिलने की स्थिति में है लेकिन गैस्ट्रोइन्टेस्टनल में स्राव के मद्देनजर अभी उसे निगरानी में रखने की जरूरत है। बोर्ड के मुताबिक इस बीमारी का इलाज एम्स, जोधपुर में उपलब्ध नहीं है। आसाराम के वकील ने जोर दिया कि उनके मुवक्किल को आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज की जरूरत है और उन्होंने उसे जोधपुर आश्रम में स्थनांतरित करने का अनुरोध किया। वकील ने कहा कि उसके अनुयायी वहां इलाज की व्यवस्था करेंगे। हालांकि, अदालत ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। गौरतलब है कि जोधपुर केंद्रीय कारागार में कैद आसाराम कोरोना वायरस से संक्रमित हो गया था और पांच मई को उसे एमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन दो दिन बाद सांस लेने में दिक्कत होने के बाद उसे एम्स, जोधपुर में भर्ती कराया गया। आसाराम कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्त हो गया है लेकिन उसके गैस्ट्रोइन्टेस्टनल में रक्त स्राव हो रहा है। आसाराम को वर्ष 2018 में जोधपुर की अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में उम्र कैद की सजा सुनाई है।

संक्रमित व्यक्ति की छींक से दस मीटर की दूरी तक जा सकता है वायरस: सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 से पीड़ित व्यक्ति की छींक से निकलने वाली छोटी बूंदें दो मीटर के क्षेत्र में गिर सकती हैं और इससे निकलने वाली फुहार (एयरोसोल) दस मीटर दूर तक जा सकती है। उसने कहा कि वायु संचार व्यवस्था उचित होने से संक्रमण का खतरा कम हो सकता है। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय ने अपने परामर्श ''संक्रमण रोकिए, महामारी को समाप्त कीजिए, सार्स-सीओवी2 वायरस को फैलने से रोकने के लिए मास्क, दूरी, स्वच्छता तथा खुली हवादार जगह का इस्तेमाल कीजिए'' में कहा कि संक्रमित हवा में कोविड-19 के वायरस का प्रकोप कम करने में खुली हवादार जगह अहम भूमिका निभा सकती है और एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे में संक्रमण फैलने के खतरे को कम कर सकती है।

इस परामर्श में कहा गया है, ''लार और छींक तथा उससे निकली संक्रमित बूंद वायरस को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचा सकती हैं। बड़ी बूंदें जमीन और सतहों पर गिर जाती हैं और छोटी बूंदे हवा में काफी दूरी तक जा सकती हैं।'' इसमें कहा गया कि ऐसे स्थान जो बंद हैं और जहां हवा का संचार नहीं है वहां संक्रमित बूंदें संकेंद्रित हो जाती हैं और इससे उस इलाके के लोगों में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। परामर्श में कहा गया, ''संक्रमित व्यक्ति के नाक से निकलने वाली बूंदें दो मीटर के क्षेत्र में गिर सकती हैं जबकि और भी छोटी बूंदें हवा के जरिए दस मीटर तक जा सकती हैं।'' पहले के प्रोटोकॉल के मुताबिक संक्रमण को रोकने के लिए छह फुट की दूरी आवश्यक बताई गई थी। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने कहा है कि किसी भी बाहरी व्यक्ति के संपर्क में नहीं आने के बावजूद वे संक्रमित हो गए। उसने कहा कि हवादार जगह होने से सामुदायिक रूप से बचाव हो सकता है और हम घर तथा दफ्तर दोनों जगह सुरक्षित रह सकते हैं।

परामर्श में कहा गया है कि जिस तरह घर के दरवाजे और खिड़कियां खोलने तथा एक्जॉस्ट प्रणाली का उपयोग करने से हवा से गंध कम हो जाती है, उसी तरह हवादार जगह में वायु में वायरस की संख्या कम हो सकती है और इससे संक्रमण का जोखिम कम हो जाता है। इसमें कहा गया है कि शहरी और ग्रामीण इलाकों में प्राथमिकता के आधार पर ऐसे स्थानों पर हवा की निकासी का बंदोबस्त किया जाना चाहिए। उसने कहा कि महज पंखे चलाने, खुले दरवाजे और खिड़कियां होने से वायु गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। परामर्श के अनुसार हवा के आने-जाने और एक्जॉस्ट पंखों का उपयोग करना भी लाभदायक होगा।

भारत के कोरोना वैक्सीन के निर्यात पर प्रतिबंध से संकट में घिरे गरीब देश

लंदन (एजेंसी)।

दुनिया के सबसे बड़े वैक्सीन निर्माता भारत ने कोरोना वैक्सीन के निर्यात पर रोक लगा दी है। भारत के इस निर्णय से दूसरे जरूरतमंद देशों के लाखों गरीब लोगों को झटका लगा है। कई जगहों पर वैक्सीन की पहली खुराक लगवा चुके लोगों को अब चिंता है कि उन्हें दूसरी खुराक मिलेगी भी या नहीं। इस बीच कोरोना के कई अलग-अलग और खतरनाक वैरियंट्स सामने आने के बाद सुरक्षा को लेकर डर बढ़ गया है। कोरोना की दूसरी खुराक का इंतजार कर रहे केन्या के एक टैक्सी ड्राइवर जॉन ओमोन्डी ने कहा कि वैक्सीन के बिना हम मरने का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे दर्जनों विकासशील देश हैं जिनके राष्ट्रीय वैक्सीन प्रोग्राम को भारत के फैसले से झटका लगा है। केन्या भी ऐसे ही देशों में से एक है। दरअसल, भारत में भी खतरनाक वेरियंट बी.1.617 तेजी से फैल रहा है जिसने हाल के हफ्ते में भारी तबाही मचाई है। इसके चलते भारत में वैक्सिनेशन तेज करने और घरेलू मांग को पूरा करने की जरूरत आ पड़ी है। भारत के सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (सीआईआई) ने कोवैक्स प्रोग्राम के तहत 5 करोड़ की आबादी वाले केन्या को आस्ट्राजेनेका वैक्सीन की 10 लाख खुराकें दी थीं। 30 लाख खुराकों के साथ दूसरा बैच जून में जाना था, लेकिन भारत ने निर्यात बंद कर दिया है। केन्या के स्वास्थ्य मंत्रालय के कार्यकारी निदेशक पैट्रिक ऐमथ का कहना है हमारे पास वैक्सीन होती तो हम अपने प्लान का दूसरा चरण शुरू कर देते। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारत में हालात जल्द सामान्य हों। इसके साथ-साथ जानसन एंड जानसन और फाइजर की वैक्सीन हासिल करने की कोशिश भी की जा रही है। इसी तरह इंडोनेशिया, फिलिपींस, वियतनाम और दक्षिण कोरिया को भी भारत से वैक्सीन न आने के चलते झटका लगा है। इंडोनेशिया ने अब चीन का रुख किया है और उत्पादन बढ़ाने के लिए पेटेंट हटाने की अपील की है। केन्या, घाना से लेकर बांग्लादेश, इंडोनेशिया तक गरीब देश कोवैक्स के ऊपर निर्भर हैं, लेकिन उनके पास अब वैक्सिनेशन रोकने को छोड़कर दूसरा रास्ता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनीसेफ के मुताबिक भारत के एक्सपोर्ट रोकने से जून के अंत तक दुनियाभर में 19 करोड़ खुराकों की कमी हो जाएगी। इससे गरीब देश पिछड़ जाएंगे और वायरस को रोकने की वैश्विक कोशिशों को झटका लगेगा, वह भी ऐसे समय में जब खतरनाक वेरियंट सामने आ रहे हैं। भारत के पड़ोसियों-नेपाल, श्रीलंका, मालदीव से लेकर अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे देशों में भी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। बांग्लादेश में अभी पहली खुराक दिए जाने के कार्यक्रम को ही रोकना पड़ गया है। यहां साल के शुरुआती 6 माह में भारत से हर महीने 50 लाख खुराकें जानी थीं। अभी तक सिर्फ 70 लाख पहुंची हैं। बांग्लादेश ने अब रूस की स्पूतनिक वैक्सीन को मंजूरी दे दी है और 5 लाख खुराकें यहां चीन से पहुंची हैं। कोवैक्स के तहत फाइजर की एक लाख खुराकें अगले महीने पहुंचेंगी।

अफ्रीका में 54 फीसदी देश वैक्सिनेशन के लिए कोवैक्स पर निर्भर हैं। अफ्रीका का लक्ष्य साल के अंत तक 30-35 फीसदी और अगले दो से तीन साल में 60 फीसदी आबादी को वैक्सिनेट करने का था, लेकिन वैक्सीन की कमी से यह लक्ष्य दूर जा सकता है। इसी तरह इथियोपिया के पास अब चीन की साइनोफार्म वैक्सीन हैं और वह दूसरे ब्रैंड्स हासिल करने की कोशिश कर रहा है। घाना में भी वैक्सिनेशन का लक्ष्य पीछे जाता दिख रहा है। यूनीसेफ और दूसरी चैरिटीज ने अमीर देशों से अपील की है कि वे अपनी जरूरत से ज्यादा खुराकें गरीब देशों को दान कर दें। यूनीसेफ फोर का कहना है कि सिर्फ जी-7 देश अगर अपनी सप्लाई में से 20 फीसदी शेयर करें तो भी जून, जुलाई और अगस्त में 15.3 करोड़ खुराकें मिल सकती हैं जिससे कई देशों को राहत मिलेगी।

11 दिन गाजा में हमास के ठिकानों पर तबाही मचाने के बाद इजरायल ने घोषित किया युद्ध विराम

गाजा (एजेंसी)।

फिलिस्तीन में 11 दिन तबाही मचाने के बाद फिलिस्तीन ने युद्धविराम घोषित कर दिया है। संघर्ष विराम के ऐलान के बाद से गाजा पट्टी में शांति है और लोग जश्न मना रहे हैं। 11 दिनों तक चले भीषण संघर्ष में 232 फलस्ते तीनी मारे गए हैं जबकि इस दौरान 12 इजरायली भी मारे गए हैं। बीमारी का खात्मा होने तक हमले जारी रखने का ऐलान करने वाले इजरायल संघर्ष विराम का एकतरफा ऐलान कर दिया। बताया जाता है कि इजरायल और हमास के बीच पिछले कई दशकों से जारी संघर्ष में यह सबसे भीषण संघर्ष था। इस दौरान हमास की ओर से 4 हजार से ज्यादा रॉकेट दागे गए, जबकि इजरायल ने भी मिसाइलों और बमों की बारिश से गाजा शहर के कई हिस्े सों को खंडहर में तब्दील कर दिया।

इस संघर्ष के बाद जब युद्धविराम का ऐलान हुआ तो गाजा के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लोग सड़कों पर उतर आए और खुशी मनाने लगे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि 10 मई से शुरू हुए संघर्ष में 232 फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं, जिसमें 65 बच्चे और 39 महिलाएं हैं। इजरायली सैनिकों के हमलों में 1900 से ज्यादा फलस्तीनी घायल हुए हैं।

उधर, इजरायल का दावा है कि उसने हमास और इस्लामिक जिहाद जैसे गुटों के कम से कम 160 सदस्यों को मार गिराया है। इजरायल में भी 12 लोग मारे गए हैं और सैंकड़ों लोग रॉकेट हमलों में घायल हुए हैं। संघर्ष विराम के बाद दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। संघर्ष विराम के ऐलान के बाद इसका मस्जिदों में लाउड स्पीकर के जरिए ऐलान किया गया। इसमें दावा किया गया है कि इजरायल के साथ स्वार्ड ऑफ येरुशलम की जंग में जीत हासिल हुई है। दोनों ही पक्षों ने कहा है कि अगर शांति के समझौते का उल्लंघन किया गया तो वे पलटवार करने को तैयार हैं।

इजरायल के खिलाफ सतही भाषा के प्रयोग पर बेइज्जत हुए पाक विदेश मंत्री

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

अपने बड़बोलेपन के लिए ख्यात पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को अमेरिका में बड़ी बेइज्जती का सामना करना पड़ा। संयुक्े त राष्ट्र में इजरायल को घेरने के लिए अमेरिका पहुंचे पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में बिना ठोस सबूत के इजरायल के खिलाफ बहुत सतही भाषा का प्रयोग किया।

इस पर टीवी चैनल के एंकर ने उन्हें तगड़ी झाड़ लगाई। इस घटना का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैाटीवी चैनल की एंकर बिआन्ना गोलोदरयगा के साथ इंटरव्यू के दौरान पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा कि इजरायल हार रहा है। अपने संबंधों के बाद भी वह मीडिया युद्ध में हार रहा है। इस पर बिआन्ना ने पूछा कि आप किस तरह के संबंध की बात कर रहे हैं। इस पर कुरैशी ने जवाब दिया।हा हा हा... डीप पॉकेट। पाक विदेश मंत्री ने कहा इजरायली बहुत प्रभावशाली हैं और वे मीडिया को नियंत्रित कर रहे हैं। कुरैशी के इस नस्ली बयान पर चैनल की एंकर ने उन्हें घेरते हुए कहा मैं इसे यहूदी विरोधी टिप्पणी मानती हूं। बिआन्ना ने जब कुरैशी को घेरा तो वह कहने लगे कि मीडिया के बारे में ऐसी धारणा है। इसके बाद जब एंकर ने चीन में उइगर मुस्लिमों के खिलाफ अत्याचार के मुद्दे को उठाया तो कुरैशी बगलें झांकने लगे। कुरैशी ने कहा कि वह इसके बारे में सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। इसके बाद पाकिस्े तानी विदेश मंत्री ने मुद्दे को कश्मीर की ओर ढकलने का प्रयास किया।

कुरैशी अपने इस बयान के लिए सोशल मीडिया में जमकर ट्रोल हो रहे हैं। इससे पहले कुरैशी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अपील की थी कि फिलस्तीन में जारी हिंसा को बंद कराया जाए। उन्होंने कहा कि अब वह समय आ गया है जब कहा जाए कि बहुत हो गया।

कोरोना से जूझ रहे देशों को अमेरिका देगा 8 करोड़ की वैक्सीन, भारत को हो सकता है फायदा

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना से जूझ रहे देशों को अमेरिका जल्द ही मदद के लिए कोरोना वैक्सीन भेजेगा। अमेरिका की तरफ से एक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की गई है। अमेरिकी विदेश विभाग की उप प्रवक्ता जलिना पोर्टर ने कहा कि अमेरिका कोविड से जूझ रहे देशों की मदद के लिए 80 मिलियन यानी 8 करोड़ अमेरिकी टीके भेजेगा। पोर्टर ने कहा, हम अपनी अतिरिक्त सप्लाई से वैक्सीन डोनेट करने का काम जारी रखेंगे। आने वाले हफ्तों में हम हमारी टीका वितरण करने से जुड़ी अन्य अहम बातों पर भी जानकारी देंगे। राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को घोषणा की थी कि संयुक्त राज्य अमेरिका जून के अंत तक फाइजर-बायोएनटेक, मॉडर्ना और जॉनसन एंड जॉनसन के कोविड -19 टीकों की 20 मिलियन खुराक यानी दो करोड़ की शिपिंग अनिर्दिष्ट जरूरतमंद देशों में शुरू करेगा। वहीं, इसके अलावा बताया गया था कि एस्ट्राजेनेका के 60 मिलियन शॉट्स यानी 6 करोड़ डोज भी दी जानी है।बता दें कि यह पहली बार था जब अमेरिका ने अपने देश में स्वीकृत वैक्सीन अन्य देशों को देने की घोषणा की थी। अभी तक अमेरिका ने भारत को कोविड राहत में 500 मिलियन अमेरीकी डालर से अधिक दिया है, जिसमें अमेरिकी संघीय और राज्य सरकारों, अमेरिकी कंपनियों, निजी संगठनों और निजी नागरिकों का योगदान शामिल है।

बृहस्पति का वायुमंडल अलग वेवलेंथ में दिखाई दिया

- वैज्ञानिकों ने अलग रोशनी में देखा तो खड़े हुए कई सवाल

लंदन।

हबल स्पेस टेलिस्कोप और हवाई की जेमिनाई नॉर्थ ऑब्जर्वेटरी से मिलीं तस्वीरों में बृहस्पति का वायुमंडल अलग वेवलेंथ में दिखाई दिया है। इनकी मदद से ही वैज्ञानिक वहां बनने वाले तूफानों के बारे में जान सकते हैं। बृहस्पति ग्रह पर आने वाले भयानक तूफान के पीछे आखिर क्या है? वैज्ञानिकों ने इन्फारेड, विजिबल और अल्ट्रावॉइलट वेवलेंथ में ये तस्वीरें ली थीं और इन्हें प्रोसेस करने के बाद बादलों में तुलना की गई है। एक तस्वीर में बृहस्पति एकदम आग सा धधकता दिखाई दिया है और इसका ग्रेट रेड स्पाट भी अलग नजर आया है। अलग-अलग वेवलेंथ पर बृहस्पति में दिखने वाले बदलाव से ऐस्ट्रोनॉमर्स को वायुमंडल के बारे में नई जानकारी मिली है। दिलचस्प बात यह है कि बृहस्पति के इक्वेटर के दक्षिण में दिखने वाले महातूफान ग्रेट रेड स्पाट को विजिबल और अल्ट्रावॉइलट वेवलेंथ में देखा जा सकता है लेकिन इन्फारेड रोशनी में यह बैकग्राउंड में मिल जाता है। तीनों में तुलना से यह भी पता चला है कि इस इन्फारेड तस्वीर में डार्क रेड स्पॉट की जगह दिखने वाला क्षेत्र विजिबल लाइट में और बड़ा दिखता है। अमेरिका के नैशनल ऑप्टिकल इन्फारेड ऐस्ट्रोनॉमी रिसर्च लैब का कहना है कि ऐसा इसलिए है कि हर रोशनी अलग-अलग प्रॉपर्टी को कैद करती है। इन्फारेड में मोटे बादल दिखते हैं, विजिबल और अल्ट्रावॉइलट रोशनी में क्रोमोफोर्म का क्षेत्र दिखता है। ये ऐसे कण होते हैं जो नीली और अल्ट्रावॉइलट रोशनी को अब्जॉर्ब करते हैं। इससे ये लाल रंग के दिखते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के वैज्ञानिक माइक वॉन्ना ने नासा के जुनो स्पेसक्राफ्ट से मिले रेडियो सिग्नल्स के साथ ही इन तस्वीरों की तुलना की है। ये सिग्नल बृहस्पति के वायुमंडल में बिजली दिखाते हैं। तुलना करने पर उन्हें बादल की अलग-अलग परतों के बारे में ज्यादा जानकारी मिली है।ये तस्वीरें पहले 11 जनवरी, 2017 को ली गई थीं। अल्ट्रावॉइलट और विजिबल व्यू हबल स्पेस टेलिस्कोप के वाइड फील्ड कैमरे ने और इन्फारेड तस्वीरें नियर इन्फारेड इमेजर ने ली थीं।

पुतिन की दुश्मन देशों को धमकी, रुसी क्षेत्र हड़पने की कोशिश करने वालों के दांत तोड़ दूंगा

मॉस्को (एजेंसी)।

हाल के दिनों में अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ चल रहे तनाव के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने दुश्मनों को जोरदार धमकी दी है। पुतिन ने कहा है कि उनका देश रूसी क्षेत्र के कुछ हिस्सों को हड़पने की कोशिश करने वालों को 'नॉक आउट' कर उनका दांत तोड़ देगा। बताया जा रहा है कि पुतिन ने रूसी क्षेत्र के कुछ हिस्सों को हड़पने की कोशिश करने वाले देशों को अप्रत्यक्ष रूप से धमकी दी है। पुतिन ने कहा कि विदेशी दुश्मन रोजाना रूसी क्षेत्रों को छीनने की कोशिश करते हैं। पुतिन ने कहा, हर कोई हमें कहीं काट लेना चाहता है या हमारे किसी हिस्से को काटना चाहता है, लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि जो लोग ऐसा करना चाहते हैं, हम उनके दांत तोड़ देने वाले हैं, जिससे वे हमें काट न सकें।' हालांकि सोवियत संघ के पतन में रूसी क्षेत्र का एक तिहाई हिस्सा चला गया था, लेकिन रूस अभी भी क्षेत्रफल के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश है। रूस ने हाल के सालों में अपनी सेना का आधुनिकीकरण किया है, आधिकारिक आंकड़ों में कहा गया है कि इस साल सिर्फ राष्ट्रीय रक्षा में 3 ट्रिलियन रूबल (41 अरब से ज्यादा) का निवेश किया जाएगा। रूस लगातार नई-नई मिसाइलों और महाविनाशक हथियारों का परीक्षण कर रहा है।

पिछले दिनों ही रूस का यूक्रेन के साथ तनाव चरम पहुंच गया था और पुतिन ने हजारों की तादाद में सैनिक तथा हथियार यूक्रेन की सीमा पर तैनात कर दिए थे। हालांकि बाद में रूस ने यूक्रेन बॉर्डर पर तैनात अपनी सेना को वापस जाने के आदेश दे दिए। माना जा रहा है कि इससे यूरोप में तीसरे विश्वयुद्ध के शुरू होने का खतरा फिलहाल टल गया है। मार्च के अंत से ही रूसी सेना के लगभग एक लाख जवान भारी सैन्य साजोसामान के साथ यूक्रेन की सीमा के नजदीक पहुंच गए थे। इसके बाद अमेरिका समेत कई यूरोपीय देश खुलकर यूक्रेन के पक्ष में लामबंद हो गए थे। सेना की वापसी का आदेश देते हुए रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने सैन्य साजोसामान को इस साल के अंदर में एक दूसरे युद्धाभ्यास के लिए वहीं छोड़ने को कहा है।

सप्ताह में 55 घंटे काम करने पर स्ट्रोक का खतरा

- डब्ल्यूएचओ ने किया अलर्ट

जेनेवा। दुनिया भर में देर तक काम करने की आदत के चलते हर साल हज़ारों लोगों की मौत हो रही है। यह कहना है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का।

डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कोरोना वायरस की महामारी के चलते आने वाले दिनों ये आंकड़े बढ़ भी सकते हैं। ज्यादा देर तक काम करने वालों पर एक स्टडी की गई है। इसके मुताबिक साल 2016 में ज्यादा देर तक काम करने वालों 745,000 लोगों की जान हार्ट की बीमारी से गई। ये आंकड़े साल 2000 से की तुलना में तकरीबन 30 फीसदी अधिक थे। डब्ल्यूएचओ और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अध्ययन से पता चला है कि ज्यादातर पीड़ित (72 फीसदी) पुरुष थे और मध्यम आयु वर्ग या उससे अधिक उम्र के थे। अध्ययन के मुताबिक कई बार ऐसे लोगों की मौत 10 साल बाद भी होती है। कुल मिलाकर ये अध्ययन 194 देशों के आंकड़ों पर आधारित है। इसके मुताबिक सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करने से स्ट्रोक का 35फीसदीअधिक जोखिम और 35-40 घंटे की तुलना में हृदय रोग से मरने का 17फीसदी अधिक जोखिम होता है। ये स्टडी 2000-2016 के दौरान की गई है। लिहाजा इसमें कोरोना से प्रभावित लोगों के आंकड़े नहीं है। डब्ल्यूएचओ के पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य विभाग की निदेशक मारिया नीरा ने कहा, हर हफ्ते 55 घंटे या उससे अधिक काम करना एक गंभीर स्वास्थ्य खतरा है। हम ये जानकारी श्रमिकों की अधिक सुरक्षा देने के लिए कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑक्सफोर्ड छात्र संघ उप-चुनाव में अध्यक्ष बनीं भारतीय मूल की अन्वी भूटानी

लंदन। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के मेगडलेन कॉलेज से भारतीय मूल की मानव विज्ञान की छात्रा को छात्र संघ के उपचुनाव में विजेता घोषित किया गया है। ऑक्सफोर्ड छात्र संघ में नस्लीय जागरूकता एवं समानता अभियान की सह-अध्यक्ष एवं ऑक्सफोर्ड इंडिया सोसाइटी की अध्यक्ष, अन्वी भूटानी 2021-22 अकादमिक सत्र के लिए उपचुनाव में उम्मीदवार थीं। इस चुनाव में रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया। उन्हें गुरुवार की रात विजेता घोषित किया गया। भूटानी ने अपने घोषणा-पत्र में ऑक्सफोर्ड जीविका वेतन को लागू करने, कल्याण सेवाओं और अनुशासनात्मक कार्रवाई को अलग करने और पाठ्यक्रम को और विविध बनाने जैसी प्राथमिकाओं को शुमार किया था। अपने विजय घोषणा-पत्र में उन्होंने कहा, पाठ्यक्रम को और अधिक विविध बनाने के लिए ऑक्सफोर्ड और उपनिवेशवाद केंद्र जैसी पहलों के साथ काम करने के लिए विद्यार्थी अभियानों से सुझावों का उपयोग करें। इसमें कहा गया, मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य सहायता कार्यक्रमों के लिए अधिक वित्तपोषण के वास्ते प्रचार करें, विश्वविद्यालय परामर्श सेवाओं तक अधिक पहुंच और कम प्रतीक्षा समय की दिशा में काम करें।

ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीयों ने अपने देश की मदद के लिए भेजे मेडिकल उपकरण

नेशनल डेस्क। कोरोना की दूसरी लहर के चलते अपने देश की मदद करने के लिए विदेशों में रह रहे भारतीय अब आगे आ रहे हैं। भारत में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय मूल के लोगों ने सहायता भेजी है। गुरुवार को देर रात विमान से वेंटिलेटर, ऑक्सीजन कांट्रेक्टर मशीन, पीपीई किट, एक मिलियन सर्जिकल मास्क और एन 95 मास्क उतारे गए हैं। इनमें 1056 वेंटिलेटर, 60 ऑक्सीजन कांट्रेक्टर और अन्य मेडिकल उपकरण भी शामिल हैं। न्यूलैंड ग्लोबल ग्रुप के सीईओ दीपेन रूघानी ने बताया है कि ऑस्ट्रेलिया में रह रहे करीब 700,000 भारतीय अपने देश के लिए संसाधन जुटाने में लगे हुए हैं। इनके अलावा व्यक्तिगत, व्यावसायिक संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठन (यूनिसेफ, रेड क्रॉस) से भी मदद की अपील की जा रही है। उन्होंने बताया कि हम भारत को कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय समर्थन भी जुटा रहे हैं। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया स्टेट गवर्नमेंट ने 2 मिलीयन अस्ट्रेलियन डॉलर भारत में कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए देने का ऐलान किया है। इनके अलावा ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया ने 41 मिलीयन अस्ट्रेलियन डॉलर्स की सहायता और मैडिकल इक्यूपमेंट भोजने की घोषणा की है जिनमें 1,000 वैंटीलेटर्स होंगे।

अमेरिका: प्रतिनिधि सभा ने परिसर की सुरक्षा बढ़ाने के लिए 1.9 अरब डॉलर मंजूर किए

वाशिंगटन: अमेरिकी कांग्रेस के निम्न सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव (प्रतिनिधि सभा) ने छह जनवरी को हुए दंगे की पृष्ठभूमि में कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) की सुरक्षा बढ़ाने के लिए 1.9 अरब डॉलर के बजट को मंजूरी दी है। डेमोक्रेटिक सांसदों ने रिपब्लिकन पार्टी के विरोध के बावजूद परिसर की सुरक्षा दीवार और त्वरित कार्रवाई बल को और मजबूत करने के लिए इस बजट को मंजूरी दी। सदन ने 213-212 विधेयक को बहुत कम अंतर से मंजूरी दी। यह मंजूरी ऐसे समय दी गई है जब एक दिन पहले ही सदन ने तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा परिसर की घेराबंदी तोड़ने और उस समय हुई हिंसा की जांच के लिए आयोग गठित करने की मंजूरी दी गई है। हालांकि, सीनेट में आयोग और बजट संबंधी प्रस्तावों का भविष्य अनिश्चित है क्योंकि अधिकतर रिपब्लिकन सदस्यों ने दोनों का विरोध किया है। वहीं सीनेट में मौजूद कुछ उदारवादी डेमोक्रेटिक सदस्य भी सुरक्षा पर भारी भरकम राशि खर्च करने के पक्ष में नहीं हैं। संसदीय सुरक्षा मामलों को देखने की उप समिति के अध्यक्ष और रिपब्लिकन सदस्य टिम रेयान ने कहा, '' हम देश की प्रमुख पार्टी है जिसकी अनदेखी की जा रही है। हम समस्या का समाधान करना चाहते हैं, लेकिन स्पष्ट है कि वे बैठकर बात नहीं करना चाहते हैं।

इजराइल और फलस्तीन के बीच वार्ता बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास हो

जेनेवा।

सरकार ने रेखांकित किया है, कि इजराइल और फलस्तीन के बीच वार्ता बहाल करने में सहायक माहौल तैयार करने के लिए हर संभव प्रयास होने चाहिए। भारत ने कहा कि क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति और स्थिरत कायम के लिए अर्थपूर्ण वार्ता का दौर लंबा चल सकता है। भारत के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत एवं स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा,हम लगातार जोर दे रहे हैं, कि तत्काल तनाव को कम करना इस वक्त की जरूरत है, ताकि हिंसा की कड़ी को तोड़ा जा सके। हम आह्वान करते हैं कि तनाव को बढ़ाने वाले किसी भी कदम से बचना चाहिए। इसके साथ ही एक तरफा तरीके से यथास्थिति बदलने की कोशिश से भी बचना चाहिए।''तिरुमूर्ति की टिप्पणी इजराइल और हमास के बीच 11 दिन के संघर्ष के बाद संघर्ष विराम की घोषणा के बीच आई है। इस संघर्ष में गाजा पट्टी में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष वोल्कन बोजकिर ने बैठक बुलाई थी और गत साल शुरू हुई महामारी के बाद पहली बार दर्जनों देशों के विदेशमंत्री आमने-सामने बैठकर इस बहस में शामिल हुए। तिरुमूर्ति ने बहस में बोलते हुए कूटनीतिक प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की पहल के बावजूद क्षेत्र में हिंसा जारी रहने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, हम गाजा से इजराइल पर दागे जा रहे रॉकेट की निंदा करते हैं जिससे कई आम नागरिकों की मौत हुई है। दुर्भाग्य से भारत ने भी अपना एक नागरिक इन रॉकेट हमलों में इजराइल के अश्केलोन में रहने वाली नर्स सौम्या संतोष को खोया है।'' तिरुमूर्ति ने कहा कि गाजा पर जवाबी हमले में भी मौतें एवं विध्वंस हुआ है। उन्होंने कहा, '' हिंसा की मौजूदा कड़ी में हम भारतीय नागरिक सहित निर्दोष लोगों की जान जाने से शोकाकुल हैं। हम एक बार फिर उकसावे, हिंसा और विध्वंस की सभी कार्रवाई की निंदा करते हैं।'' भारत ने जोर देकर कहा कि हाल की घटनाओं ने एक बार फिर तत्काल इजराइल और फलस्तीन के बीच संवाद को बहाल करने की जरूरत को रेखांकित किया है।

अमेरिकी विध्वंसक कर्टिस विल्बर दक्षिण सागर में दिखा, चीन को लगी मिर्ची

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने बृहस्पतिवार को दूसरी बार इलाके में अमेरिकी नौसेना की गतिविधि का विरोध किया है। इस पर अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े ने जवाब देते हुए चीन पर गैर कानूनी तरीके से पड़ोसी देशों की कीमत पर समुद्री अधिकार प्राप्त करने की कोशिश का आरोप लगाया है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की दक्षिणी कमान ने कहा कि निर्देशित मिसाइलों से लैस अमेरिकी विध्वंसक यूएसएस कर्टिस विल्बर ने गुरुवार को दक्षिण चीन सागर के पारासेल द्वीपसमूह इलाके में ' गैर कानूनी तरीके से उसकी जलीय सीमा में प्रवेश किया। बयान के मुताबिक, चीनी बल ने अपनी पीछा करने वाली और निगरानी प्रणाली को सक्रिय कर पोत को 'चेतावनी देकर बाहर किया। बता दें कि पारासेल द्वीपों पर वियतनाम भी अपना दावा करता है। चीन ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह क्षेत्रीय सुरक्षा, गलतफहमी, गलत आकलन और समुद्र में दुर्घटना के खतरे को बढ़ा रहा है। पीएलए ने अमेरिकी पोत के आने को गैर पेशेवर और गैर जिम्मेदाराना करार देकर कहा कि वह देश के संप्रभुता दावे की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है, साथ ही दक्षिण चीन सागर में शांति और स्थिरता भी कायम रखना चाहता है। चीन के आरोपों के जवाब में अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े ने कहा, ''यह अभियान सामान्य आवाजाही पर गैर-कानूनी रोक को चुनौती देने, अतंरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्र के कानूनी इस्तेमाल, अधिकार और स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए था। अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के बयान में कहा गया है, मिशन के बारे में पीएलए का बयान गलतहै। यूएसएस कर्टिस विल्बर को किसी देश के क्षेत्र से निष्कासित नहीं किया गया। अमेरिका ने कहा, यूएसएस कर्टिस विल्बर ने इस स्वतंत्र नौवहन अभियान को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अंजाम दिया है और वह अंतरराष्ट्रीय जल सीमा में ऐसे सामान्य अभियान को जारी रखेगा।

संपादकीय

फंगस ने बढ़ाई चुनौती

केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि 'ब्लैक फंगस' को वे महामारी कानून के तहत अधिसूचित करें और एक-एक मामले की रिपोर्ट की जाए। केंद्र ने आम जनता के लिए कोविड संबंधी जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, उनमें कहा गया है कि कोविड संक्रमण हवा में दस मीटर तक फैल सकता है। इससे बचने के लिए डबल मास्क लगाना चाहिए और बंद जगहों पर ताजा हवा के इंतजाम किए जाने चाहिए। धीरे-धीरे वैज्ञानिक इस बात को मानने लगे हैं कि कोविड के फैलने को लेकर जो समझ पहले थी, उसमें सुधार की जरूरत है। शुरुआत में माना गया था कि कोरोना वायरस हवा में दूर तक नहीं फैलता और मरीज के छींकने या खांसने से जो छोटी-छोटी बूंदें गिरती हैं, उन्हीं से यह बीमारी फैलती है। यह भी माना जा रहा था कि ऐसी बूंदें किसी सतह पर पड़ी रहें, तो वे संक्रमण के फैलने का जरिया बन सकती हैं। इसीलिए शुरू में एक मीटर की दूरी बरतने का निर्देश जारी किया गया था और सतहों को न छूने और उनको कीटाणुरहित करने पर जोर था। यह कोई विचित्र बात नहीं है। हवा से किसी वायरस या बैक्टीरिया के नमूने एकत्र करना और उनके खतरों का मूल्यांकन बहुत मुश्किल होता है। टीबी और खसरा जैसी बीमारियों के साथ भी यही हुआ था। लंबे दौर तक यह माना गया था कि ये बीमारियां हवा से नहीं, सिर्फ बूंदों से फैलती हैं, बाद में यह आकलन गलत साबित हुआ। कोरोना वायरस के बारे में भी ऐसे असंदिग्ध तथ्य नहीं मिले हैं, जिनसे ठीक-ठीक बताया जा सके कि कोरोना हवा में कितनी दूर तक फैलता है और उसका खतरा कितनी देर तक रहता है, लेकिन अब यह लगभग आम सहमति है कि कोविड का संक्रमण मुख्यत- हवा से होता है, सतहों को छूने से होने वाले संक्रमण की मात्रा बहुत कम है, इसलिए बार-बार उनको साफ करने की कोई खास जरूरत नहीं है। एक और खास बात जो उभरकर आई है, वह है ताजा हवा की जरूरत। पाया गया है कि बंद कमरों में या ऐसी जगहों पर, जहां हवा के आने-जाने का इंतजाम नहीं है, कोरोना का वायरस देर तक रह सकता है। इसलिए जहां एयर कंडिशनिंग जरूरी भी है, वहां बार-बार ताजा हवा के आने का इंतजाम जरूरी है। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि खुली जगहों पर कोविड संक्रमण के प्रसार की आशंका कई गुना कम हो जाती है। कुछ वैज्ञानिकों का जोर है कि जैसे 19वीं सदी में साफ पानी पर जोर दिया गया था और उससे कई बीमारियों पर नियंत्रण हो गया, वैसे ही अब यदि हवा की गुणवत्ता को मुद्दा बनाया जाए, तो बहुत सारी बीमारियों से मुक्ति मिल सकती है। कोविड ने बीमारियों के फैलने में हवा के महत्व को फिर रेखांकित किया है। दस मीटर यानी काफी बड़े कमरे में कोरोना हवा के जरिए फैल सकता है। यह दस मीटर भी कोई पत्थर की लकीर नहीं है। इससे सिर्फ यही पता चलता है कि काफी दूर तक कोरोना का वायरस हवा में जा सकता है और इसी नजरिए से बचाव के उपाय करने होंगे। वैक्सीनेशन से बचाव को पाने में अभी वक्त लगेगा और वह भी शत-प्रतिशत नहीं होगा। इसलिए बचाव के असली उपाय वही सावधानियां हैं, जिनके पालन में लोग लापरवाही कर जाते हैं। मास्क का सही इस्तेमाल, शारीरिक दूरी का ख्याल और खुली हवा का इंतजाम जैसे तरीके अभी सबसे कारगर बचाव हैं। ब्लैक फंगस ने वैसे भी चुनौती बढ़ा दी है।

आज के ट्वीट

वसुधैव कुटुंबकम

वसुधैव कुटुंबकम की भावना से हो रहा मानवता का कल्याण भारत ने स्वदेशी वैक्सीन देकर दूसरे देशों को मदद पहुंचाई थी। अब भारत को विभिन्न देशों से कोविड-19 राहत चिकित्सा आपूर्ति और उपकरणों के रूप में सहायता मिल रही है। - बीजेपी

चिंता का सबब बनते ब्लैक फंगस के बढ़ते मामले

योगेश कुमार गोयल

एक तरफ जहां देशभर में कोरोना संक्रमितों की संख्या धीरे-धीरे कम होने लगी है, वहीं दूसरी ओर कोरोना से ठीक हो रहे कुछ मरीजों पर दूसरा बड़ा खतरा मंडरा रहा है। दरअसल विभिन्न राज्यों में ब्लैक फंगस (म्यूकोर्मिकोसिस) के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है और आंखों से ब्रेन तक तेजी से फैल रहे इस संक्रमण के कारण लोगों की जान जा रही है। कोरोना पर जीत दर्ज कर चुके सैंकड़ों लोग ब्लैक फंगस के शिकार हो चुके हैं, जिनमें से कुछ की आंखों की रोशनी चली गई है तो कुछ की मौत हो गई। हरियाणा में तो सरकार द्वारा अब इसे अधिसूचित रोग घोषित कर दिया गया है। दरअसल ब्लैक फंगस शरीर में बहुत तेजी से फैलता है, जिससे आंखों की रोशनी चली जाती है और कई मामलों में मौतें भी हो रही हैं। कोरोना संक्रमण के कारण यह रोग अधिक खतरनाक हो गया है, इसीलिए सरकार द्वारा अब चेतावनी देते हुए कहा गया है कि ब्लैक फंगस से बचने की जरूरत है क्योंकि इसके कारण कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पाल के मुताबिक यह रोग होने की संभावना तब ज्यादा होती है, जब कोविड मरीजों को स्टेरॉयड दिए जा रहे हों और मधुमेह रोगी को इससे सर्वाधिक खतरा है, इसलिए स्टेरॉयड जिम्मेदारी से दिए जाने चाहिएं और मधुमेह को नियंत्रित किया जाना जरूरी है क्योंकि इससे मृत्यु दर का जोखिम बढ़ जाता है। डॉ. पाल का यह भी कहना है कि इस बीमारी से कैसे लड़ना है, अभी इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है क्योंकि यह एक उभरती हुई समस्या है। म्यूकोर्मिकोसिस चेहरे, नाक, आंख तथा मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है, जो फेफड़ों में भी फैल सकता है और इससे आंख की रोशनी भी जा सकती है। वैसे अभी तक के मामलों का अध्ययन करने से यह बात स्पष्ट हो गई है कि ब्लैक फंगस नामक बीमारी के सबसे ज्यादा मामले ऐसे कोरोना मरीजों में ही देखने को मिल रहे हैं, जिन्हें जरूरत से ज्यादा स्टेरॉयड दी गई हों। इस संबंध में कुछ डॉक्टरों का कहना है कि यदि मरीज का ऑक्सीजन लेवल 90 के आसपास है और उसे काफी स्टेरॉयड दिया जा रहा है तो 'ब्लैक फंगस' इसका एक साइड इफैक्ट हो सकता है। ऐसा मरीज अगर कोविड संक्रमण से ठीक भी हो जाए लेकिन ब्लैक फंगस का शिकार हो जाए तो बीमारी को शीघ्र डायग्नोस कर उसका तुरंत इलाज शुरू नहीं करने पर जान जाने का खतरा रहता है। आईसीएमआर ने भी फंगस इफैक्शन का पता लगाने के लिए जांच की सलाह देते हुए कहा है कि कोरोना मरीज ब्लैक फंगस के लक्षणों की अनदेखी न करें और लक्षण होने पर चिकित्सक से परामर्श करें, साथ ही लक्षण मिलने पर स्टेरॉयड की मात्रा कम करने या बंद करने का भी सुझाव दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन का कहना है कि यदि लोगों में इस बीमारी को लेकर जागरूकता हो और शुरुआत में ही लक्षणों की पहचान कर ली जाए तो बीमारी को जानलेवा होने से रोका जा सकता है। इस संक्रमण का पता सीटी स्कैन के जरिये लगाया जा सकता है और फिलहाल 'एम्फोटेरिसिन' नामक ड्रग का इसके इलाज में इस्तेमाल किया जा रहा है। ब्लैक फंगस ऐसा फंगल इफैक्शन है, जो कोरोना वायरस के कारण शरीर में ट्रिगर होता है, जिसे आईसीएमआर ने ऐसी दुर्लभ बीमारी माना है, जो शरीर में बहुत तेजी से फैलती है और उन लोगों में ज्यादा देखने को मिल रही है, जो कोरोना संक्रमित होने से पहले किसी अन्य बीमारी से ग्रस्त थे या जिन लोगों की इम्युनिटी बेहद कमजोर है। पहले से स्वास्थ्य परेशानियां झेल रहे शरीर में वातावरण में मौजूद रोगजनक वायरस, बैक्टीरिया या दूसरे पैथोजन्स से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है, ऐसे में शरीर में इस फंगल इफैक्शन के होने का खतरा रहता है। कोरोना के जिन मरीजों को आईसीयू में तथा ऑक्सीजन पर रखा जाता है, उनमें भी ब्लैक फंगस के संक्रमण की कुछ आशंका रहती है। एम्स निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया कहते हैं कि कोविड मरीजों को लिम्फोपेनिया की ओर ले जाता है और इलाज के दौरान स्टेरॉयड के इस्तेमाल से शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। उनके मुताबिक जांच में पता चल रहा है कि ब्लैक फंगस वाले सभी मरीजों को कोरोना के इलाज के दौरान स्टेरॉयड दी गई थी, जिनमें से 90-95 फीसदी ऐसे मरीज हैं, जिन्हें मधुमेह है। मधुमेह, कोविड पॉजिटिव तथा स्टेरॉयड लेने वाले रोगियों में फंगल संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। डॉ. गुलेरिया के अनुसार 'म्यूकोर्मिकोसिस' बीजाणु मिट्टी, हवा और भोजन में भी पाए जाते हैं लेकिन वे कम विषाणु वाले होते हैं और आमतौर पर संक्रमण का कारण नहीं बनते। कोविड-19 से पहले इस संक्रमण के बहुत कम मामले थे लेकिन कोविड के कारण अब ये मामले बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। पहले यह उन लोगों में ही दिखता था, जिनका शुगर बहुत ज्यादा हो, इम्युनिटी बेहद कम हो या कीमोथैरेपी ले रहे कैंसर के मरीज लेकिन स्टेरॉयड का ज्यादा इस्तेमाल करने से ब्लैक फंगस के अब बहुत ज्यादा मामले आ रहे हैं। किसी विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह के बिना स्टेरॉयड का सेवन भी ब्लैक फंगस की वजह बन सकता है। बहुत से लोग बुखार, खांसी और जुकाम होते ही कोरोना की दवाएं शुरू कर रहे हैं लेकिन डॉक्टरों का मानना है कि बिना कोरोना रिपोर्ट के ऐसा करना खतरनाक हो सकता है। बगैर कोरोना के लक्षणों के 5-7 दिन तक स्टेरॉयड का सेवन करने से इसके दुष्प्रभाव दिखने लगते हैं और बीमारी बढ़ने की आशंका रहती है। अगर ब्लैक फंगस के प्रमुख लक्षणों की बात करें तो बुखार, तेज सिरदर्द, खांसी, नाक बंद होना, नाक में म्यूकस के साथ खून, छाती में दर्द, सांस लेने में तकलीफ होना, खांसते समय बलगम में या उल्टी में खून आना, आंखों में दर्द, तथा सूजन, धुंधला दिखाई देना या दिखना बंद हो जाना, नाक से खून आना या काले रंग का स्राव, आंखों या नाक के आसपास दर्द, लाल निशान या चकते, मानसिक स्थिति पर असर पड़ना, गाल की हड्डी में दर्द, चेहरे में एक तरफ दर्द, सूजन या सुन्नपन, मसूड़ों में तेज दर्द या दांत हिलना, कुछ भी चबाते समय दर्द होना इत्यादि ब्लैक फंगस संक्रमण के प्रमुख लक्षण हैं। ब्लैक फंगस संक्रमण मरीज में सिर्फ एक त्वचा से शुरू होता है लेकिन यह शरीर के अन्य भागों में फैल सकता है। चूंकि यह शरीर के विभिन्न हिस्सों को प्रभावित करता है, इसलिए इसके उपचार के लिए अस्पतालों में कई बार अलग-अलग विशेषज्ञों की जरूरत भी पड़ सकती है। यही कारण इसका इलाज कोरोना के इलाज से भी महंगा है और जान का खतरा भी ज्यादा है। मरीज को इस बीमारी में एम्फोटेरिसिन इंजेक्शन दिन में कई बार लगाया जाता है, जो प्रायः 21 दिन तक लगवाना पड़ता है। इसके गंभीर मरीज के इलाज पर प्रतिदिन करीब 25 हजार तक खर्च आता है जबकि मेडिकल जांच और दवाओं सहित कोरोना के सामान्य मरीज के इलाज का औसत खर्च करीब दस हजार रुपये है। ब्लैक फंगस का शुरूआती चरण में ही पता चलने पर साइनस की सर्जरी के जरिये इसे ठीक किया जा सकता है, जिस पर करीब तीन लाख रुपये तक खर्च हो सकता है लेकिन बीमारी बढ़ने पर ब्रेन और आंखों की सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है, जिसके बाद इलाज काफी महंगा हो जाता है और मरीज की आंखों की रोशनी खत्म होने तथा जान जाने का भी खतरा बढ़ जाता है। कुछ मरीजों का ऊपरी जबड़ा और कभी-कभार आंख भी निकालनी पड़ जाती है। ब्लैक फंगस संक्रमण से बचने के लिए ऑक्सीजन थैरेपी के दौरान ह्यूमिडीफायर्स में साफ व स्टरलाइज्ड पानी का ही इस्तेमाल करें और घर में मरीज को आक्सीजन देते हुए उसकी बोतल में उबालकर ठंडा किया हुआ पानी डालकर ठीक से साफ करें। चूंकि ब्लैक फंगस संक्रमण का सबसे बड़ा खतरा मधुमेह रोगियों को है, इसलिए जरूरी है कि कोविड से ठीक होने के बाद भी ऐसे मरीजों का ब्लड ग्लूकोज लेवल मॉनीटर करते रहें और हाइपरग्लाइसीमिया अर्थात् रक्त में शर्करा की मात्रा को नियंत्रित करने की कोशिश करें। बिना विशेषज्ञ की सलाह के डेक्सोना, मेड्रोल इत्यादि स्टेरॉयड तो अपनी मर्जी से या किसी के कहने पर हरगिज न लें। स्टेरॉयड शुरू होने पर विशेषज्ञ डॉक्टर के नियमित सम्पर्क में रहें। विशेषज्ञ डॉक्टर स्टेरॉयड कुछ ही मरीजों को 5-10 दिनों के लिए ही देते हैं, वह भी बीमारी शुरू होने के 5-7 दिन बाद जरूरी जांच कराने के पश्चात् सिर्फ गंभीर मरीजों को। बेहतर है कि ब्लैक फंगस के लक्षण नजर आने पर अपनी मर्जी से दवाओं का सेवन शुरू करने के बजाय जरा भी समय गंवाए बिना तुरंत अपने डॉक्टर से सम्पर्क करें क्योंकि प्रारम्भिक अवस्था में इसे एंटी-फंगल दवाओं से ठीक किया जा सकता है।

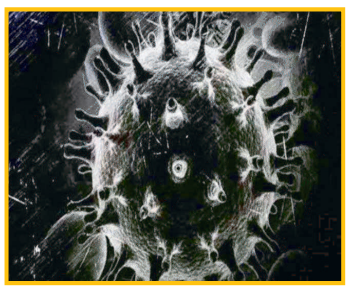

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

प्रदूषण

सद्गुरु

हमें ज्यादातर चिंता शहरों और उद्योगों आदि से आने वाले प्रदूषण की होती है। मगर लोग इस बात से चूक जाते हैं कि धरती पर सबसे बड़ा खतरा वास्तव में कृषि है। मिट्टी की गुणवत्ता खराब होना असली समस्या है। बाकी हर चीज को कुछ दशकों में ठीक किया जा सकता है, लेकिन दुनिया भर में मिट्टी की खराब हालत को आप पलट नहीं सकते, उसे ठीक करने में पचास से सौ साल लगेंगे। मिट्टी को सुधारने के सिर्फ दो तरीके हैं। पहला है, पेड़ों की पत्तियां और पशु व मानव के मल। पेड़ बहुत पहले ही नष्ट हो चुके हैं। अगली चीज है, पशुओं का गोबर। पशुओं के गोबर के बिना आप मिट्टी को उपजाऊ नहीं बना सकते। आप थैली भर-भर कर खाद खेतों में डालकर मिट्टी को उपजाऊ नहीं बना सकते। मुख्य रूप से, आध्यात्मिक का मतलब है कि आपका जीवन अनुभव आपके भौतिक अस्तित्व से परे चला गया है। तो अगर आप इस शरीर से परे खुद का अनुभव करते हैं, तो आपका अनुभव क्या होगा? कुदरती रूप से, यह आपके आस-पास के जीवन खुद में शामिल करके देखेगा। जो मैं बाहर छोड़ता हूं, पेड़ उसे अपने अंदर ले रहे हैं, पेड़ जो सांस छोड़ते हैं, मैं अपने जीवन के हर पल में उसे अपने अंदर ले रहा हूं। मगर हम इसके बारे में बिना किसी जागरूकता के जीवन जी रहे हैं। आध्यात्मिक प्रक्रिया का मकसद इकोलॉजी नहीं है, लेकिन यह हमारे अस्तित्व का एक हिस्सा है। इकोलॉजी कोई पढ़ने-पढ़ाने का विषय भर नहीं है, वह हमारे अस्तित्व का आधार है। बड़े पैमाने पर लोगों में इस अनुभव को लाना बहुत महत्त्वपूर्ण है। क्योंकि चाहे आप कितना भी सिखा लें, कितना भी प्रचार कर लें, लेकिन लोग अपने जीवन अनुभव के अनुसार अपने जीवन को आकार देते हैं। खासकर वे लोग जो जिम्मेदारी के पदों पर और सत्ता में होते हैं, जो दुनिया में अंतर ला सकते हैं, उनका जीवन अनुभव ऐसा होना चाहिए कि वो सबको अपने में शामिल कर सकें। यानी अभी की तुलना में अधिक समावेशी होना चाहिए। मैं आपको एक छोटा सा उदाहरण देता हूं। सत्ताइस सालों तक मैं अपने होम टाउन वापस नहीं गया। मतलब, मैं अपने परिवार से मिलने जाता था मगर वहां मैंने कोई कार्यक्रम नहीं किया क्योंकि मैं अपने शहर में थोड़ा गुमनाम रहना चाहता था, जो कि हो नहीं पाया..।

जीवन बचाना सर्वोच्च वरीयता

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

महामारी के दौरान लोगों का जीवन बचाना सर्वोच्च वरीयता है। इससे सीधे जुड़े कई अन्य मसले भी होते हैं, जिनका क्रम जीवन रक्षा के बाद आता है। ये सभी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आते हैं। जीवन से बढ़कर कुछ नहीं होता। महामारी में स्वास्थ्य सेवाएं कसौटी पर होती हैं। फिर भी मानवीय क्षमता की एक सीमा होती है। प्रकृति को पराजित नहीं किया जा सकता। बचाव के यथासंभव प्रयास अवश्य किये जा सकते हैं। ऐसा करना किसी भी सरकार का दायित्व होता है। अक्सर दैवीय आपदाएं अनुमान से बहुत अधिक असर डालती हैं। ये तबाही लाती है। बड़ी संख्या में लोग इससे प्रभावित होते हैं। बहुत लोगों को जीवन गंवाना पड़ता है। अनेक बच्चे अनाथ हो जाते है। दिहाड़ी पर जीवन यापन करने वालों के समक्ष भरण पोषण की समस्या आ जाती है। इनकी पहचान आसानी से हो जाती है। लेकिन बहुत से ऐसे लोग भी होते है जो छोटे पक्के मकानों में रहते हैं। लेकिन कोरोना जैसी आपदा में उनकी नौकरी चली जाती है या वेतन मिलना बंद हो जाता है। इसमें छोटे दुकानदार आदि भी शामिल हैं। इन सबकी व्यथा समझने के लिए समाज व सरकार दोनों का सजग रहना आवश्यक है। सरकार से तात्कालिक रूप में सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं लागू करने की अपेक्षा रहती है। समाज के आर्थिक रूप से समर्थ लोगों व सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी होती है। समाज में संकट के समय सिर्फ कालाबाजारी करने वाले निकृष्ट लोग ही नहीं होते। बल्कि भारत में सामाजिक सरोकार रखने वालों की संख्या अधिक होती है। बड़ी संख्या में संस्थाएं व व्यक्तिगत स्तर पर लोग जरूरतमन्दों की सहायता करते हैं। कोरोना की पहली लहर में भी यह प्रमाणित हुआ। सरकार ने अस्सी करोड़ लोगों को राशन देने की व्यवस्था की थी। यह क्रम छह माह तक चला था। इसबार भी सरकार गरीबों को राशन दे रही है। इसके अलावा सामाजिक संस्थाएं भी सेवा कार्यों में लगी हैं। केंद्र सरकार ने डीएपी पर मिलने वाली सब्सिडी को प्रति बोरी पांच सौ रुपये से बढ़ाकर बारह रुपये कर दिया है। अर्थात सब्सिडी को बढ़ाकर एक सौ चालीस प्रतिशत कर दिया है। इससे किसानों को चौबीस सौ रुपये प्रति बोरी की जगह बारह सौ रुपये में मिलेगी। जाहिर है कि कोरोना आपदा ने समाज के समक्ष बड़ी कठिनाइयां पैदा की है। ऐसे में जरूरतमन्दों को राहत के प्रयास अपरिहार्य हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोरोना आपदा प्रबंधन प्रयासों के बीच ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय भी ले रहे हैं। यह तय किया गया कि कोरोना में जिन बच्चों के माता-पिता नहीं रहे, उनका पालन-पोषण सरकार के द्वारा किया जाएगा, गरीबों को तीन महीने तक राशन प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश के युवाओं को टैबलेट प्रदान की जाएगी। कोरोना आपदा ने समाज को बहुत प्रभावित किया है। अनेक बच्चों के सिर से माता-पिता संरक्षण समाप्त हो गया। सामाजिक सुरक्षा की भावना के अनुरूप इनका पालन-पोषण करना सरकार का दायित्व है। इसमें समाज के समर्थ लोग भी अपनी भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं। सरकार ने आगे बढ़कर यह जिम्मेदारी स्वीकार की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड के कारण जिन बच्चों के माता-पिता का देहान्त हो गया, ऐसे अनाथ एवं निराश्रित बच्चों के भरण-पोषण और समुचित देखभाल के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाए। किसी भी शिक्षण संस्थान द्वारा यदि विद्यार्थियों से शुल्क लिया गया है तो शिक्षकों के वेतन से कटौती न की जाए। आपदा के समय में किसी के वेतन से कटौती उचित नहीं है। वेतन का भुगतान समय पर किया जाए। शिक्षा से सम्बन्धित सभी विभागों द्वारा अपने अन्तर्गत संचालित शिक्षण संस्थानों में इस व्यवस्था का अनुपालन कराया जाए। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना फेज तीन के अन्तर्गत प्रदेश में अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण इस महीने से प्रारम्भ होगा। राशनकार्ड धारकों को पोर्टेबिलिटी के अन्तर्गत खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। वन नेशन वन कार्ड योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों व प्रवासी मजदूरों को पोर्टेबिलिटी के अन्तर्गत प्रदेश की किसी भी उचित दर की दुकान से अपना खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। चौदह करोड़ इकहत्तर लाख यूनिटों पर इस माह में पांच किग्रा गेहूं व दो किग्रा चावल खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके अलावा युवाओं को टेबलेट देने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। डिजिटल इंडिया अभियान से देश को परोक्ष अपरोक्ष अनेक लाभ हुए है। व्यवस्था में पारदर्शिता आई है। इसमें बिचौलिए नहीं है। हजारों करोड़ रुपये के लीकेज बन्द हुए। शत-प्रतिशत धनराशि संबंधित लोगों तक पहुंचना सँभव हुआ है। शिक्षा व चिकित्सकीय परामर्श का चलन भी बढ़ा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

हंसल मेहता की फिल्म में यह किरदार निभाएंगे कार्तिक आर्यन!

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के उभरते हुए सितारों में से एक है। काफी कम समय में उन्होंने दर्शकों के बीच अपनी एक अलग पहचान बना ली है। वह लगातार नई फिल्में साइन करते जा रहे हैं। खबर है कि उन्होंने हंसल मेहता के निर्देशन वाली अगली फिल्म और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला की एक फिल्म साइन की है। खबरों के मुताबिक, हंसल की आने वाली फिल्म पूरी तरह कमर्शल होगी। यह सच्ची घटना पर आधारित एक देशभक्ति की फिल्म होगी। बताया जा रहा है कि हंसल मेहता की आगामी फिल्म में कार्तिक एक एयरफोर्स पायलट की भूमिका में दिखने वाले हैं। यह एक कमर्शियल फिल्म होगी, जिसमें हंसल का टच देखने को मिलेगा। इस फिल्म में एक राष्ट्रवादी दृष्टिकोण देखने को मिल सकता है। वास्तव में यह फिल्म एक असल जिंदगी की घटना पर आधारित होगी। खबरों के अनुसार कार्तिक फिल्म में एक भारतीय वायुसेना अधिकारी की भूमिका को निभाते दिखेंगे। कहा जा रहा है कि कार्तिक को बचाव अभियान का मुख्य पायलट के रूप में फिल्माया जाएगा। वह फिल्म में एक रेस्क्यू ऑपरेशन को लीड करते हुए नजर आएंगे। बता दें कि कार्तिक आर्यन से पहले फिल्म 'भुज' में अजय देवगन और 'तेजस' में कंगना रनौट भी इंडियन एयर फोर्स के पायलट के किरदार में नजर आएंगी। इससे पहले पिछले साल ही जाह्नवी कपूर भी 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' में भारतीय वायु सेना की पायलट के करिदार में नजर आई थीं। कार्तिक आर्यन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह इस साल कई फिल्मों में देखा जा सकता है। वह अनीस बज्मी की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 2' को लेकर चर्चा में हैं। वह संजय लीला भंसाली की 'हीरा मंड़ी' में भी नजर आएंगे। कार्तिक अपनी आगामी फिल्म 'धमाका' को लेकर भी सुर्खियों में हैं। वह लक्ष्मण उतेकर की 'लुका छुपी 2' में भी अभिनय करते हुए नजर आएंगे।

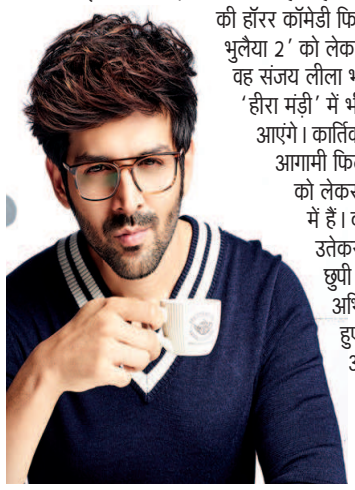

ये रिश्ता क्या कहलाता है का हिस्सा बनना जीवन बनने वाला अनुभव

एक दशक से अधिक समय से सफलतापूर्वक चल रहा राजन शाही का शो ये रिश्ता क्या कहलाता है अभी भी दर्शकों के दिलो-दिमाग पर छाया हुआ है। नायरा गोयनका की प्रमुख भूमिका निभाने वाली शिवांगी जोशी ने बताया किया कि यह शो उनके लिए एक जीवन बदलने वाला अनुभव रहा है।

ये एक आशीर्वाद है

भारतीय टेलीविजन पर इस तरह के एक ऐतिहासिक शो का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे मनोरंजन जगत के कुछ बेहतरीन अभिनेताओं, क्रू और निर्माताओं के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। ये रिश्ता क्या कहलाता है का हिस्सा बनना एक आशीर्वाद है।

सेट पर हर दिन खास

सेट पर हर दिन अद्भुत रहा है। हर दृश्य मेरे लिए खास है। लेकिन अगर मुझे अपने पसंदीदा में से एक को याद करना है, तो वह है कायरा (प्रशंसकों ने शो की मुख्य जोड़ी को कायरा-कार्तिक, जिसे मोहसिन खान और नायरा ने एक साथ निभाया है) के क्षण और ग्रीस और राजस्थान में प्रदर्शन। यह मेरे लिए रोमांचकारी अनुभव था।

कहानी है शो की यूएसपी

शो की यूएसपी कहानी ही है। इसके लिए हमारे गुरु और निर्माता राजन शाही सर को धन्यवाद, जो समझते हैं कि दर्शकों को प्रभावित करने के लिए क्या करना पड़ता है। साथ ही, अद्वितीय कहानी, प्रस्तुति और कलाकारों द्वारा शानदार प्रदर्शन एक असाधारण अनुभव प्रदान करते हैं।

चुनौतियों के बीच कैसे बनाए सकारात्मकता

हर दिन सीखने और याद रखने के लिए एक सबक है, चाहे आप काम कर रहे हों या जब आप छुट्टी पर हों। पिछले मुझे कुछ महीनों के लिए काम से दूर रही
लेकिन मुझे अपने पूरे परिवार से मिलने का मौका मिला। मैंने खुद पर काम किया। घर के कामों में तल्लीन रही और खुद के साथ समय बिताया। ये सबसे अच्छी भावनाएँ हैं जिनका अनुभव हर व्यक्ति को करना चाहिए। ये अभूतपूर्व समय हमें बहुत कुछ सिखा रहा है।

राजन शाही मेरे पिता समान

राजन शाही शब्दों से परे हैं, वह मेरे गुरु हैं, मेरे लिए पिता तुल्य हैं, कहानी कहने में महान उत्साही और दूरदर्शी हैं। राजन सर हम सभी को एक साथ रखते हैं, हमें बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं और सेट पर एक स्वस्थ वातावरण भी बनाए रखते हैं। जब आपके पास एक खुश रहने और काम करने के लिए सकारात्मक वातावरण होता है तो सकारात्मक वाइब्स आपके काम में तब्दील हो जाती हैं और स्क्रीन पर भी दिखाई देती हैं।

फिल्म संदीप और पिंकी फरार अमेज़न प्राइम वीडियो पर हुई रिलीज, अर्जुन-परिणीति फिर दिखें साथ

फिल्म निर्माता दिबाकर बनर्जी की संदीप और पिंकी फरार का डिजिटल प्रीमियर अमेज़न प्राइम वीडियो पर आज, 20 मई हुआ। दिबाकर बनर्जी द्वारा निर्मित, लिखित और निर्देशित, संदीप और पिंकी फरार में अर्जुन कपूर, परिणीति चोपड़ा, जयदीप अहलावत, रघुबीर यादव और नीना गुप्ता मुख्य भूमिकाओं में हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेज़ॅन प्राइम वीडियो ने आज - 20 मई, 2021 को भारत सहित दुनिया भर के 240+ देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर परिणीति चोपड़ा और अर्जुन कपूर स्टारर थ्रिलर के विशेष डिजिटल प्रीमियर की घोषणा की। संदीप और पिंकी फरार दो पूरी तरह से अलग व्यक्तियों की कहानी है, जिनका जीवन अचानक आपस में जुड़ जाता है। पिंकेश दहिया या 'पिंकी' (अर्जुन कपूर द्वारा निबंधित), एक हरियाणवी पुलिस अधिकारी है, जबकि संदीप कौर (परिणीति चोपड़ा द्वारा निबंधित) कॉर्पोरेट जगत की एक महत्वाकांक्षी लड़की है। विडंबना यह है कि चाक और पनीर की यह जोड़ी एक दूसरे के प्रति अविश्वास, संदेह और घृणा से एकजुट है।

प्राची देसाई को बॉलीवुड में नहीं मिला सम्मान

प्राची देसाई ने टीवी में सफल करियर के बाद फिल्मों की तरफ अपना रुख किया था। उन्हें टीवी की तरह ही फिल्मों में भी पसंद किया गया मगर उन्हें वह सफलता नहीं मिल सकी जिसकी वह हकदार थीं। वहीं अब प्राची देसाई ने बॉलीवुड इंडस्ट्री को लेकर कई चौंका देने वाले खुलासे किए हैं। प्राची देसाई ने बताया कि कैसे बड़े डायरेक्टर्स, प्रोड्यूसर्स ने उनके काम को कभी सम्मान नहीं दिया। वह चाहते थे कि प्राची सिर्फ अपने लुक्स पर ध्यान दें और बड़े पर्दे पर हॉट दिखे। एक्ट्रेस ने कहा, ज्यादातर डायरेक्टर्स ने मुझे अपने लुक्स पर ध्यान देने के लिए कहा। लेकिन मुझे 'सेक्सिस्ट' फिल्में कभी नहीं करनी थी इसलिए मैं उनके ऑफर्स को ठुकराती चली गईं। ऐसे में अब मुझे अच्छे ऑफर्स आने बंद हो गए हैं और इंडस्ट्री में मेरी ऐसी इमेज बना दी गई है जहां लोगों को यह लगता है कि मुझे फिल्में करने में खास दिलचस्पी नहीं है। प्राची ने आगे कहा कि डायरेक्टर्स चाहते थे कि मैं बिना स्क्रिप्ट पढ़े फिल्म साइन कर दूं लेकिन मैं इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी। इस वजह से मेरे हाथ से कई फिल्में निकलते चली गईं क्योंकि बॉलीवुड में बड़े डायरेक्टर्स को ना सुनने की आदत नहीं होती। वहीं प्राची ने एक और खुलासा करते हुए बताया कि एक बार उन्हें एक बड़ी बजट वाली फिल्म के लिए ऑफर आया जिसमें उन्हें कॉम्प्रोमाइज करने के लिए कहा गया। प्राची के इनकार करने के बाद भी फिल्म के डायरेक्टर ने उन्हें दोबारा कॉल किया लेकिन उन्होंने साफ-साफ फिल्म करने से मना दिया। प्राची ने साल 2006 में एकता कपूर के सीरियल 'कसम से' में काम किया था। इस सीरियल से प्राची काफी मशहूर हो गई थीं। इसके बाद 2008 में उन्होंने फरहान अख्तर के ऑपोजिट 'रॉक ऑन' से डेब्यू किया था। इसके बाद प्राची ने लाइफ पार्टनर, वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई, बोल बच्चन, आई मी और मै जैसी फिल्मों में काम किया है।

अपने पहले ही म्यूजिक वीडियो 'वफा ना रास आये' से छाईं अरुशी निशंक

अरुशी निशंक हमेशा संभावनाओं के नए क्षितिज की खोज में रहती हैं, अब वह बॉलीवुड में अपनी प्रतिभा से लोगों का दिल जीत रही हैं। टी-सीरीज के बैनर तले नवीनतम संगीत वीडियो 'वफा ना रास आये' से उन्होंने डेब्यू किया है। यह गाना रिलीज़ होने के कुछ घंटों के भीतर ट्रेंड कर रहा था। अरुशी निशंक को अपने प्रशंसकों से सराहना मिल रही है, इस गीत के बाद हेयर स्टाइल और स्टाइलिंग का एक नया चलन शुरू हुआ है। वीडियो बनाने की अपनी यात्रा पर अरुशी ने कहा- यह मेरे लिए वास्तव में चुनौतीपूर्ण था क्योंकि यह मेरा पहला प्रोजेक्ट था और मैं शायद ही तकनीकी भाषा जानता था लेकिन उनके सह-अभिनेता और निर्देशक इतने कॉर्पोरेट और मददगार थे कि वह चीजों को एक में हासिल कर सकती हैं। आसान तरीका है, दूसरी बात यह है कि जनवरी के महीने में कश्मीर में शूट किया गया था, इतने अनुकूल मौसम में शूट करना वास्तव में कठिन था, लेकिन एक साथ वफ़ा ना रास आई की यात्रा आनंदमय थी। उत्तराखंड की रहने वाली अरुशी आम तौर पर युवाओं और खासकर महिलाओं पर काफी प्रभाव छोड़ने में कामयाब रही है। उन्हें भारत सरकार और उत्तराखंड द्वारा कई पुरस्कारों और मान्यताओं के साथ सम्मानित किया गया है। वह सरकार के नेतृत्व में सामाजिक सुधार कार्यक्रमों के एक सक्रिय प्रवर्तक भी हैं। उन्होंने अपने खुद के कैलिबर और प्रतिभा द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान स्थापित की है। सभी चुनौतियों को समझते हुए, उसने अपने लिए एक जगह बनाई है। वैश्विक ख्याति के एक समर्पित कथक नर्तक होने के अलावा। अरुशी निशंक ने उद्यमिता, कविता और साहित्य, फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अपने पदचिह्न छोड़ दिए हैं। स्वच्छ नदी गंगा के प्रति जागरुकता जगाना एक आंदोलन रहा है जिसका स्तंभ अरुशी रही हैं। अरुशी निशंक ने 2008 में स्पर्श गंगा अभियान के अभियान में सक्रिय रूप से शामिल होकर पर्यावरण के क्षेत्र में योगदान दिया है और गंगा को प्रदूषण और अशुद्धियों से मुक्त करने का संकल्प लिया है। अरुशी पर्यावरणीय चिंताओं और सतत विकास के लिए एक प्रमुख वकील बन गई। अरुशी निशंक ने अंतरराष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की जिसे संयुक्त राष्ट्र का भी समर्थन प्राप्त है। चेयरपर्सन के रूप में, अरुशी सक्रिय रूप से कम लड़की अनुपात और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी और महिला सुरक्षा पर और शिक्षा के माध्यम से महिला के लिए आर्थिक स्वतंत्रता में सुधार के लिए काम कर रही है। काव्य मूर्त दुनिया के बारे में किसी की धारणाओं और संवेदनाओं को व्यक्त करने का एक और लयबद्ध तरीका है। धरती स्वर्ग बनुंगी और कलाम मशाल बन जाए कविता की दो पुस्तकें हैं जो अब तक भारत में प्रकाशित हुई हैं। अरुशी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित भारतीय शास्त्रीय कथक प्रतिपादक हैं, जो अपने कला रूप में एक कुशल कलाकार हैं। उन्होंने 16 साल की अवधि में 15 से अधिक देशों में रचना और प्रदर्शन किया है। अरुशी निशंक एक ऐसा नाम है जो लालित्य, स्थापना और कला को अपने साथ रखता है। उनके जैसे बहुआयामी व्यक्ति से हमेशा संभावनाओं के नए क्षितिज तलाशने के लिए जीवन और उत्साह से भरे रहने की उम्मीद की जाती है। उन्होंने हिमश्री फिल्म्स नाम से अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस स्थापित किया। वर्ष 2018 में, उन्होंने हिमश्री फिल्म्स के तहत एक क्षेत्रीय फिल्म मेजर निराला का निर्माण किया।

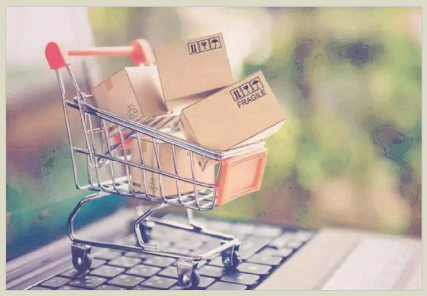

अप्रैल में 11 फीसदी गिरी ऑनलाइन शॉपिंग

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर का असर ई-कॉमर्स मार्केट पर भी पड़ा है। पिछले साल मध्य मई में जब लॉकडाउन हटा था और सामान की डिलीवरी की अनुमति मिली थी तो ऑनलाइन ऑर्डर्स में लगभग तुरंत उछाल आया था। इस साल पिछले कई सप्ताह से ई-कॉमर्स बाजार पर भी महामारी की दूसरी लहर का प्रभाव दिख रहा है और इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव्स के बीच रिकवरी को लेकर अनिश्चितता है। ई-कॉमर्स सॉल्युशंस प्रोवाइडर यूनीकॉमर्स के डाटा के मुताबिक, अप्रैल में एक माह पहले के मुकाबले ऑनलाइन शॉपिंग में 11 फीसदी की गिरावट आई। एग्जीक्यूटिव्स के मुताबिक महामारी की दूसरी लहर ने नॉन एसेंशियल सेगमेंट्स में शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में कंज्यूमर डिमांड को प्रभावित किया है। मांग में सुधार की उम्मीद इस अनुमान की वजह से है कि ग्राहक ऑफलाइन दुकानों और मॉल से बचना जारी रखेंगे। यूनिकॉमर्स का डाटा दर्शाता है कि फैशन व एक्सेसरी की बिक्री अप्रैल में 22 फीसदी गिरी, जबकि आईवियर और एक्सेसरी की बिक्री में 16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। केवल एफएमसीजी व एग्री और हेल्थ व फार्मा ऐसे सेगमेंट रहे, जिनमें बिक्री क्रमशः 33 फीसदी और 18 फीसदी बढ़ी। कन्सल्टिंग कंपनियां और विश्लेषक ई-कॉमर्स के लिए इस साल के सालाना ग्रोथ आउटलुक की समीक्षा कर रहे हैं। इस साल नॉन मेट्रो मार्केट्स में बिक्री ज्यादा प्रभावित हो रही है, जो चिंता का विषय है। 2020 में महामारी का असर काफी हद तक देश के बड़े शहरों तक सीमित रहा था।

एमएसएन ने ब्लैक फंगस के इलाज के लिए पॉसकोनाजोल लॉन्च किया

हैदराबाद। एमएसएन लैबोट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने शुक्रवार को ब्लैक फंगस के इलाज के लिए पॉसकोनाजोल को भारत में लॉन्च करने की घोषणा की। एमएसएन ने पॉजवन ब्रांड नाम के तहत उत्पाद को क्रमश 100 एमजी विलंबित रिलीज टैबलेट और 300 एमजी इंजेक्शन के रूप में लॉन्च किया है। पॉसकोनाजोल एक ट्राइजोल एंटिफंगल एजेंट है जो म्यूकोर्मिकोसिस यानी ब्लैक फंगस के रोगियों के इलाज के लिए संकेतित है। कंपनी ने कहा कि कोविड 19 से ठीक होने वाले कई रोगियों में एक दुर्लभ और घातक फंगल संक्रमण पाया गया है जिसे म्यूकोर्मिकोसिस या ब्लैक फंगस कहा जाता है। मृत्यु दर में वृद्धि के साथ, इन परीक्षण समय में एंटी फंगल दवा की पहुंच एक अपूर्ण कमी है। एंटी फंगल संक्रमण दवाओं के अनुसंधान और निर्माण में एमएसएन की क्षमता के परिणाम के रूप में, अब यह अपने मजबूत वितरण नेटवर्क और फील्ड फोर्स के माध्यम से पोसावन की पहुंच सुनिश्चित करके पूरे भारत में रोगियों तक सक्रिय रूप से पहुंचने का लक्ष्य बना रहा है। एमएसएन ने अपने इन हाउस आर एंड डी और विनिर्माण इकाइयों में सक्रिय फार्मास्युटिकल घटक और पोसावन का निर्माण विकसित किया है। दवा को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया द्वारा अनुमोदित किया गया है और यह अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता से मेल खाती है। कोविड उपचार रेंज के हिस्से के रूप में, एमएसएन ने पहले ही 200 मिलीग्राम, 400 मिलीग्राम और 800 मिलीग्राम की ताकत में फेविलो (फेविपिरवीर), 75 मिलीग्राम कैप्सूल के रूप में ओसेलो (ओसेल्टामिविर) और एली लिली के साथ हाल ही में बारिडोज (बारिसिटिनिब) को लाइसेंस दिया है।

कोरोना ने छिनी लाखों लोगों की नौकरी, बेरोजगारी दर मई में 14.5फीसदी पहुंची

(एजेंसी):

संक्रमण की दूसरी लहर में आर्थिक गतिविधियां फिर से ठप्प हो गई हैं। इससे अप्रैल 2021 की शुरुआत से अब तक देश के लाखों लोगों की नौकरियां छिन चुकी हैं, जबकि करोड़ों लोगों का रोजगार ठप हो गया है। बेरोजगारी दर बढ़कर एक साल के शीर्ष पर पहुंच गई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (CMIE) के मुताबिक, 16 मई 2021 को समाप्त हुए हफ्ते के दौरान देश में बेरोजगारी दर बढ़कर 14.5 फीसदी पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 8 फीसदी पर थी। हालांकि, अब भी ये पिछले साल के अप्रैल और मई के मुकाबले 8 फीसदी से ज्यादा कम है। दरअसल, अप्रैल-मई 2020 के दौरान देश में बेरोजगारी दर 23 फीसदी से ऊपर थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि संक्रमण दोबारा बढ़ने से कई राज्यों में लॉकडाउन चल रहा है, जिससे उपभोक्ता वस्तुओं की खरीदारी घटी है। अनुमान है कि मई में पूरे महीने बेरोजगारी दर 10 फीसदी से ऊपर बनी रहेगी। महामारी आने के बाद से 2020-21 के पूरे वित्तवर्ष में बेरोजगारी दर औसतन 8.8 फीसदी रही। CMIE के आंकड़ों से पता चलता है कि लगातार पांचवे हफ्ते कंज्यूमर सेंटिमेंट इंडेक्स में 1.5 फीसदी की गिरावट आई है। मार्च के अंतिम हफ्ते से इंडेक्स में 9.1 फीसदी की गिरावट आई है। इस साल अप्रैल में कंज्यूमर सेंटिमेंट इंडेक्स 2019-20 के मुकाबले करीब 49 फीसदी नीचे था। पिछले साल अप्रैल में यह 2019-20 के औसत से करीब 57 फीसदी नीचे था।

परिवार की इनकम भी घटी

CMIE के मुताबिक, कंज्यूमर सेंटिमेंट में गिरावट की मुख्य वजह परिवार की इनकम में गिरावट और भविष्य को लेकर निराशा की स्थिति है। आंकड़ों से पता चलता है कि करीब 55.5 फीसदी परिवारों ने इनकम में गिरावट की बात कही है। 41.5 फीसदी परिवारों ने कहा है कि एक साल पहले के मुकाबले उनकी इनकम में कोई बदलाव नहीं आया है। सिर्फ 3.1 फीसदी परिवारों ने कहा कि एक साल पहले के मुकाबले उनकी इनकम में इजाफा हुआ है।

15 जून 2022 को सेवामुक्त होगा इंटरनेट एक्सप्लोरर: माइक्रोसॉफ्ट

वाशिंगटन।

माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह अगले साल 15 जून को अपने ब्राउजर इंटरनेट एक्सप्लोरर को सेवामुक्त कर देगा, जो करीब 25 साल से इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को अपनी सेवाएं दे रहा है। माइक्रोसॉफ्ट ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि इस वेब ब्राउजर की पेशकश विंडोज 95 के साथ की गई थी। माइक्रोसॉफ्ट एज के कार्यक्रम प्रबंधक सीन लिंडर्से ने इस फैसले के बारे में कहा कि इंटरनेट एक्सप्लोरर 11 डेस्कटॉप अनुप्रयोग सेवामुक्त हो जाएगा और विंडोज 10 के कुछ संस्करणों के लिए 15 जून 2022 से इसका समर्थन बंद हो जाएगा। विंडोज 10 पर इंटरनेट एक्सप्लोरर का भविष्य माइक्रोसॉफ्ट एज है। माइक्रोसॉफ्ट एज न केवल इंटरनेट एक्सप्लोरर की तुलना में एक तेज, अधिक सुरक्षित और अधिक आधुनिक ब्राउजिंग अनुभव है, बल्कि यह पुरानी, पारंपरिक वेबसाइटों और अनुप्रयोगों के अनुरूप भी है।

बैंकों को IBC के तहत निजी गारंटर के खिलाफ कार्रवाई की इजाजत देने वाली अधिसूचना बरकरार

नई दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र की उस अधिसूचना की वैधता को बरकरार रखा, जिसमें बैंकों को दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत ऋण वसूली के लिए व्यक्तिगत गारंटरों के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति दी गई थी। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट की पीठ ने कहा कि आईबीसी के तहत समाधान योजना की मंजूरी से बैंकों के प्रति व्यक्तिगत गारंटरों की देनदारी खत्म नहीं हो जाती। न्यायमूर्ति भट ने फैसले के निष्कर्ष को पढ़ते हुए कहा, ''फैसले में हमने अधिसूचना को बरकरार रखा है।'' याचिकाकर्ताओं ने आईबीसी और अन्य प्रावधानों के तहत जारी 15 नवंबर 2019 की अधिसूचना को चुनौती दी थी, जो कॉरपोरेट देनदारों को व्यक्तिगत गारंटी देने वालों से संबंधित हैं। अधिसूचना की वैधता को बरकरार रखते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी कंपनी के लिए दिवालिया समाधान योजना शुरू होने से व्यक्तियों द्वारा वित्तीय संस्थानों के बकाया भुगतान के प्रति दी गई कॉरपोरेट गारंटी खत्म नहीं होती।

सरकार किसानों के कल्याण को प्रतिबद्ध, डीएपी सब्सिडी बढ़ने से किसानों को मिलेगी राहत: तोमर

(एजेंसी):

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और डीएपी खाद पर सब्सिडी बढ़ाने के फैसले से किसानों को राहत मिलेगी। केन्द्र सरकार ने बुधवार को डीएपी उर्वरक पर सब्सिडी 140 प्रतिशत बढ़ाकर 1,200 रुपए प्रति बोरी कर दी, जो पहले 500 रुपए प्रति बोरी थी, जिससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त 14,775 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक कीमतों में तेज वृद्धि के बावजूद किसानों को खेती का यह पोषक तत्व 1,200 रुपए प्रति बोरी की पुरानी दर पर उपलब्ध हो। पीएमओ के बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह फैसला किया गया। तोमर ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में संवाददाताओं से कहा, ''मोदी सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।%% उन्होंने कहा कि केंद्र ने हाल ही में पीएम-किसान कार्यक्रम के तहत किसानों को 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का हस्तांतरण किया है। डीएपी (डाय-अमोनियम फॉस्फेट) उर्वरक की बढ़ती वैश्विक कीमतों के मद्देनजर, तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बुधवार को एक बैठक बुलाई और घरेलू खुदरा कीमतों में कोई बदलाव ना हो यह सुनिश्चित करने के लिए सब्सिडी बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद किसानों को पुरानी दरों पर ही डीएपी मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाने का फैसला नहीं किया होता तो किसानों को समस्या का सामना करना पड़ सकता था। मंत्री ने कहा कि केंद्र पहले डीएपी के प्रति बोरी 500 रुपये की सब्सिडी दे रहा था और खुदरा मूल्य 1,200 रुपए प्रति बैग था। उन्होंने कहा, अब यह सुनिश्चित करने के लिए कि खुदरा कीमतें 1200 रुपए प्रति बैग पर बनी रहे, सब्सिडी को बढ़ाकर 1200 रुपए प्रति बैग कर दिया गया है। मंत्री ने कहा कि वैश्विक बाजार में डीएपी की दर 2400 रुपए प्रति बोरी हो गई है। तोमर ने कहा कि केंद्र को लगभग 15,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी खर्च करनी होगी लेकिन किसान समुदाय को राहत देने के लिए इसे वहन करने का फैसला सरकार ने किया। यूरिया के बाद, किसानों सबसे अधिक डीएपी खाद का इस्तेमाल करते हैं।

केंद्र सरकार को 99,122 करोड़ रुपए देगा RBI, बोर्ड की बैठक में फैसला

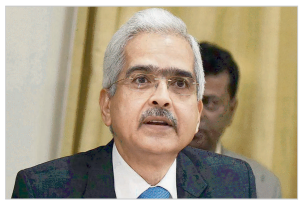

(एजेंसी):

रिजर्व बैंक ने फैसला किया है कि वह केंद्र सरकार को अपने सरप्लस 99,122 करोड़ रुपए की रकम ट्रांसफर करेगा। यह फंड मार्च 2021 तक खत्म 9 महीनों में RBI की जरूरतों से अलग है। RBI ने फंड ट्रांसफर करने का यह फैसला रिजर्व बैंक के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 589वीं बैठक में ली गई है। RBI के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की यह बैठक गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई। बोर्ड ने यह तय किया है कि रिजर्व बैंक में आपातकालीन जोखिम बफर 5.50% फीसदी तक बनाए रखा जाएगा। जालान समिति की सिफारिश के मुताबिक रिजर्व बैंक के बहीखाते का 5.5 से 6.5 फीसदी हिस्सा आपातकालीन निधि के रूप में रखा जाना चाहिए।

रिजर्व बैंक ने एक बयान में इस फैसले की जानकारी देते हुए कहा, रिजर्व बैंक के लेखा वर्ष को बदलकर अप्रैल से मार्च कर दिया गया है पहले यह जुलाई से जून था। इसलिए बोर्ड ने जुलाई से मार्च 2021 के नौ महीने के संक्रमण अवधि के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के कामकाज पर चर्चा की। बोर्ड ने इस संक्रमण के दौरान रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और एकाउंट्स को मंजूरी दी है। बोर्ड ने केंद्र सरकार को 99,122 करोड़ रुपए का ट्रांसफर करने को भी मंजूरी दी है। बैठक में डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन, माइकल देवब्रत पात्रा, एम राजेश्वर राव और टी रवि शंकर शामिल हुए। केंद्रीय बोर्ड के अन्य निदेशक एन चंद्रशेखरन, सतीश के मराठे, एस गुरुमूर्ति, रेवती अय्यर और सचिन चतुर्वेदी भी बैठक में शामिल हुए। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव देवाशीष पांडा और आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने भी बैठक में भाग लिया।

क्या होता है सरप्लस फंड

रिजर्व बैंक साल के दौरान जो आमदनी करता है, पूरे खर्च आदि निकालने के बाद जो रकम बचती है वह उसका सरप्लस फंड होता है। यह एक तरह से मुनाफा होता है। अब रिजर्व बैंक की असल मालिक सरकार होती है, इसलिए नियम के मुताबिक रिजर्व बैंक सरकार को इस मुनाफे का एक बड़ा हिस्सा देता है और एक हिस्सा जोखिम प्रबंधन के तहत अपने पास रखता है।

साल 2019 में दिए थे 1.76 लाख करोड़

गौरतलब है कि इसके पहले रिजर्व बैंक ने साल 2019 में मोदी सरकार को 1.76 लाख करोड़ रुपए रकम ट्रांसफर किया था। तब रिजर्व बैंक के इस फैसले की विपक्ष ने काफी आलोचना की थी। बिमल जालान समिति की सिफारिशों के अनुरूप यह रकम ट्रांसफर किया गया था।

अमेरिका ने वैश्विक कॉरपोरेट मुनाफे पर 15 प्रतिशत न्यूनतम कर का प्रस्ताव रखा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने कहा कि वह अमेरिका स्थित कंपनियों के विदेशी मुनाफे पर कम से कम 15 प्रतिशत की दर से वैश्विक कॉरपोरेट कर का समर्थन करता है, जबकि इससे पहले उसने न्यूनतम 21 प्रतिशत कर लगाए जाने की बात कही थी। इससे पहले आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) और समूह-20 देशों ने न्यूनतम कॉरपोरेट कर की दर पर एक समझौता करने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद यह पेशकश की गई। विभिन्न देशों द्वारा कॉरपोरेट कर की दरों में कटौती और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करने की प्रतिस्पर्धा रोकने के लिए इस समझौते की जरूरत महसूस की गई। ओईसीडी का अनुमान है कि सरकारों को उन कंपनियों के द्वारा सालाना 240 अरब अमरीकी डालर तक का नुकसान होता है, जो अपनी कर देनदारी को कम करने के लिए देशों के बीच आय को स्थानांतरित करती हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कॉरपोरेट कर की दरों में कटौती की प्रतिस्पर्धा संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य देशों की राजस्व जुटाने की क्षमता को कम कर रही है। साथ ही मंत्रालय ने कहा कि उसके प्रस्ताव को दूसरे देशों ने सकारात्मक रूप से लिया है।

जेपी दिवाला मामला: ऋणदाता समूह ने सुरक्षा समूह के प्रस्ताव पर लगाई मुहर, NBCC की पेशकश ठुकराई

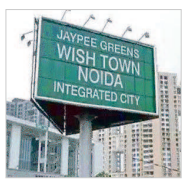

नई दिल्ली: जेपी इंफ्राटेक की ऋणदाता समिति ने गुरुवार को सुरक्षा समूह के प्रस्ताव पर अगले सप्ताह से मतदान प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया और सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी द्वारा प्रस्तावित पेशकश को खारिज कर दिया। सूत्रों ने बताया कि एनबीसीसी की बोली दिवाला कानून के कुछ प्रावधानों के अनुरूप नहीं पाई गई इसलिए उसके प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इससे पहले निर्माण कंपनी एनबीसीसी और सुरक्षा समूह ने जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के अधिग्रहण को लेकर अपना अंतिम समाधान प्रस्ताव बुधवार को पेश किया। यह कॉर्पोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया का चौथा दौर था। सूत्रों ने बताया कि बोलियों पर चर्चा के लिए गुरुवार को लेनदारों की समिति (सीओसी) की वर्चुअल बैठक हुई। इस दौरान सुरक्षा समूह के पक्ष में अगले सप्ताह मतदान करने का निर्णय लिया गया। मतदान अगले सप्ताह सोमवार को शुरू होगा और गुरुवार तक चलेगा। सूत्रों के अनुसार एनबीसीसी की बोली दिवाला कानून के कुछ प्रावधानों के अनुरूप नहीं पाई गई जिसके कारण समिति ने उसे बोली को मतदान में नहीं शामिल करने का निर्णय किया। हालांकि, एनबीसीसी के प्रस्ताव को सीओसी और एनसीएलटी ने तीसरे दौर की बोली में मंजूरी दी थी। यह बोली 2019 के अंत और पिछले साल की शुरुआत में आयोजित हुई थी। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा समूह ने बोली में यमुना एक्सप्रेस वे को अपने पास रखने का प्रस्ताव रखा है। उसने 20,000 आवास इकाइयों को 42 महीने के भीतर पूरा करने की भी पेशकश की है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष मार्च में उच्चतम न्यायालय ने जेपी इंफ्राटेक के लिए केवल एनबीसीसी और सुरक्षा समूह से बोलियां मंगाने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत ने 45 दिनों में समाधान प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया था। इस समयसीमा की अवधि हालांकि आठ मई को पूरी हो गया और जेपी ने इस संबंध में समय सीमा बढ़ाने को लेकर याचिका भी दायर की थी। जेपी इंफ्राटेक अगस्त 2017 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) द्वारा आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले बैंक समूह के एक आवेदन को स्वीकार करने के बाद दिवाला प्रक्रिया में चली गई थी। जिसके बाद यह प्रक्रिया अब पूरी होने को है।

कच्चे तेल का उत्पादन 2प्रतिशत घटा, प्राकृतिक गैस के उत्पादन में 23 प्रतिशत की तेजी

(एजेंसी):

देश में कच्चे तेल का उत्पादन अप्रैल में दो प्रतिशत घट गया जबकि प्राकृतिक गैस के उत्पादन में 23 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि गत अप्रैल में देश में 24.93 लाख टन कच्चे तेल का उत्पादन हुआ। यह अप्रैल 2020 के 25.46 लाख टन की तुलना में 2.07 प्रतिशत कम है। मंत्रालय ने इस साल अप्रैल के लिए 24.65 लाख टन का लक्ष्य रखा था। उत्पादन साझेदारी अनुबंधों के तहत आवंटित गैस क्षेत्रों में उत्पादन तीन गुणा होने से प्राकृतिक गैस का उत्पादन 22.68 प्रतिशत बढ़कर 26.79 लाख टन पर पहुंच गया। पिछले साल अप्रैल में इसका उत्पादन 21.61 लाख टन रहा था। हालांकि यह 26.79 लाख टन के लक्ष्य से कम है। ओएनजीसी का कच्चा तेल उत्पादन 2.69 प्रतिशत घटकर 16.37 लाख टन और प्राकृतिक गैस का उत्पादन 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 17.26 लाख टन रहा। ऑयल इंडिया लिमिटेड का कच्चे तेल का उत्पादन 2.22 प्रतिशत कम होकर 2.43 लाख टन रह गया जबकि प्राकृतिक गैस का उत्पादन 6.47 प्रतिशत बढ़कर 2.15 लाख टन पर पहुंच गया। देश में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत पिछले साल अप्रैल की तुलना में 81.6 प्रतिशत बढ़कर 170 लाख टन पर पहुंच गई। अप्रैल 2020 में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन और उद्योग आदि भी लगभग पूरी तरह बंद रहने से मात्र 94 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों की खपत हुई थी। अप्रैल में रसोई गैस की खपत 21 लाख टन पर एक साल पहले के बराबर रही। पेट्रोल की खपत 10 लाख टन से बढ़कर 24 लाख टन पर और डीजल की खपत 33 लाख टन से बढ़कर 67 लाख टन पर पहुंच गई। इस दौरान एटीएफ की खपत एक लाख टन से बढ़कर चार लाख टन पर पहुंच गई। उल्लेखनीय है कि पिछले साल अप्रैल में नियमित यात्री उड़ानें पूरी तरह बंद थीं और सिर्फ अनिवार्य सेवाओं के लिए उड़ानों का ?परिचालन किया जा रहा था। इससे पहले पिछले पूरे वित्त वर्ष के दौरान पेट्रोल और डीजल की खपत में कमी आई थी, जबकि रसोई गैस की खपत बढ़ गई थी।

शानदार रहे SBI के नतीजे, कोरोना में हुआ 6450 करोड़ का मुनाफा

(एजेंसी):

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई का एकल शुद्ध मुनाफा मार्च 2021 को खत्म हुई तिमाही में 80 प्रतिशत बढ़कर 6,450.75 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने बताया कि बुरे कर्ज में कमी के चलते उसका मुनाफा बढ़ा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शेयर बाजार को बताया कि 2019-20 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान उसका मुनाफा 3,580.81 करोड़ रुपए था। बैंक ने बताया कि बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 81,326.96 करोड़ रुपए हो गई, जो 2019-20 की समान अवधि में 76,027.51 करोड़ रुपए थी। समेकित आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 60 प्रतिशत बढ़कर 7,270.25 करोड़ रुपए रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4,557.49 करोड़ रुपए था।

बैंक का कुल एनपीए (गैर-निष्पादित आस्तियां) 31 मार्च 2021 को कुल अग्रिमों के मुकाबले 4.98 प्रतिशत था, जबकि 2020 की समान अवधि में यह 6.15 प्रतिशत था। इसी तरह शुद्ध एनपीए या खराब ऋण भी 31 मार्च 2021 को घटकर 1.50 प्रतिशत रह गया, जो इससे एक साल पहले की अवधि में 2.23 प्रतिशत था। बैंक का एकल लाभ वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 41 प्रतिशत बढ़कर 20,110.17 करोड़ रुपए हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 14,488.11 करोड़ रुपए था। बैंक को बोर्ड ने 31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए चार रुपए प्रति शेयर या अंकित मूल्य पर 400 प्रतिशत का लाभांश देने की सिफारिश की है। लाभांश का भुगतान 18 जून 2021 को होगा।

भारत में कपड़ा उद्योग के अस्तित्व को बचाने के लिए महत्वपूर्ण है

CRB CENTRE for RESPONSIBLE BUSINESS
Enabling Change for Impact

रीफैशन हब एक सामूहिक प्रयास है जिसका उद्देश्यं दीर्घकालिक सकारात्मकक जलवायु प्रभाव पैदा करने के लिए भारत के कपड़ा उद्योग में जल प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इस पर परिचर्चा करना है। इस पहल के एक हिस्से के रूप में, 18 मई 2021 को एलायंस फॉर वाटर स्टीलवार्डशिप एंड वाटर मैनेजमेंट फोरम (इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स इंडिया के तहत) के सहयोग से सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल बिजनेस (सीआरबी) द्वारा अपशिष्ट जल को एक संसाधन के रूप में स्थापित करने और कपड़ा उद्योग द्वारा स्थाएयी तरीके से इससे निपटने पर सहमति बनाने के लिए एक राष्ट्रीय बहु-हितधारक परामर्श चर्चा का आयोजन किया गया।

अभियान को अपने समर्थन का आश्वासन देते हुए, श्री उपेन्द्रन प्रसाद सिंह, सचिव, वस्त्र मंत्रालय, ने कहा, ''भारत में कपड़ा उद्योग के अस्तित्व को बचाने के लिए अपशिष्ट जल प्रबंधन महत्वहपूर्ण है और यह कोई परोपकार का विषय नहीं है। सरकार, कपड़ा निकायों और उद्योग सहित सभी हितधारकों की यह जिम्मेतदारी है कि वह ऐसी हरित तकनीकों में निवेश करें जो जल संरक्षण को बढ़ावा दें। च्च इस तरह की पहल की जरूरत को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, च्च्जल एवं अपशिष्ट। जल प्रबंधन की आपूर्ति को लेकर पर्याप्त जानकारी मौजूद है लेकिन मांग नहीं है। कुशल जल और अपशिष्टक जल प्रबंधन आपूर्तिकर्ताओं/खरीदारों को ब्रांड्स/उपभोक्तताओं के साथ जोड़ने में मदद कर सकता है।ज्ज इसके अलावा, उन्होंने कपड़ा और अन्या अधिक जल-उपयोग वाले क्ल स्टंर्स में जल एवं अपशिष्टु जल प्रबंधन के लिए जरूरत के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 'क्लअस्टयरों की स्थिति का आकलन' का सुझाव दिया। अंत में उन्हों ने कहा कि उद्योगों के वाटर फुटप्रिंट के बारे में उतनी जागरूकता और जानकारी नहीं है, जितनी कार्बन/एनर्जी फुटप्रिंट पर है और इसलिए इसके महत्व् के बारे में जागरूकता और ज्ञान बढ़ाने की आवश्य कता है।

गोलकीपर पी आर श्रीजेश फिर बने एफआईएच के सदस्य

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) एथलीट समिति में फिर से चुनने को सम्मान करार देकर कहा कि इससे उन्हें विश्व संस्था के सामने खेल को लेकर अपने साथी खिलाड़ियों के विचारों को रखने का एक और अवसर मिला है। पी आर श्रीजेश को कार्यकारी बोर्ड की वर्चुअल बैठक के दौरान एफआईएच एथलीट समिति का फिर से सदस्य चुना गया। इससे पहले वह 2017 में पैनल के सदस्य थे। श्रीजेश ने कहा, पिछले चार वर्षों में एक खिलाड़ी और व्यक्ति के रूप में मैं अधिक परिपक्व हुआ हूं। एफआईएच एथलीट समिति ने मुझे अपने साथी हॉकी खिलाड़ियों के विचारों को समझने, देखने और व्यक्त करने का एक अनूठा मौका दिया है। उन्होंने कहा, एशिया में एशियाई खेल, एशियाई चैंपियन्स ट्राफी, सुल्तान अजलन शाह टूर्नामेंट जैसी प्रतियोगिताएं नियमित तौर पर होती रहती हैं जिनमें मैं इस क्षेत्र के खिलाड़ियों के संपर्क में आता हूं और इससे मुझे उनकी चिंताओं को समझने और फिर उनके बारे में एथलीट समिति में चर्चा करने का मौका मिलता है। हॉकी इंडिया ने भी श्रीजेश को एफआईएच एथलीट समिति में फिर से चुने जाने पर बधाई दी।

ऑस्ट्रेलिया को चुनौती देगी भारतीय महिला टीम : नूशिन

मुंबई (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर और रेलवे की मौजूदा कोच नूशिन अल खादीर का मानना है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पहले दिन-रात्रि टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम को चुनौती देगी। भारतीय महिला टीम को इस साल सितंबर-अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान गुलाबी गेंद से दिन-रात्रि टेस्ट खेलना है। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी 20 मैच की सीरीज भी खेलेगी। नूशिन ने कहा, गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलना भारतीय महिला टीम के लिए नया है लेकिन जब भी टीम से उम्मीदें नहीं रहती हैं तो महिला टीम अच्छा प्रदर्शन करती है। नूशिन ने भारत के लिए पांच टेस्ट और 78 वनडे मुकाबले खेले हैं। वह 2003 में नंबर-1 खिलाड़ी बनी थीं। नूशिन ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, मुझे याद है हम 2006 में इंग्लैंड दौरे पर गए थे और अपने पहले टी20 मुकाबले में हमने इंग्लिश टीम को हराया था। हमने उसी दौरे में टेस्ट मैच भी जीता था जबकि किसी को हम लोगों से ऐसे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, टेस्ट खेलना बहुत जरूरी है क्योंकि इसमें खिलाड़ियों के कौशल का टेस्ट होता है, इसलिए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट करने से अच्छा कुछ नहीं है। नूशिन ने कहा, हमारे पास मिताली राज, पूनम राउत, हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा और स्मृति मंधाना के रूप में अच्छे बल्लेबाजी हैं जबकि झूलन

गोस्वामी जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं। मेरा मानना है कि हमारी टीम ऑस्ट्रेलियाई को अच्छी चुनौती देगी।

फीफा यू17 महिला विश्व कप भारत का आयोजन 11-30 अक्टूबर तक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फीफा परिषद ने गुरुवार को हुई बैठक में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप भारत 2022 की तारीखों को मंजूरी दे दी है। फीफा के मुताबिक युवा विश्व कप 11 अक्टूबर से शुरू होगा और फाइनल 30 अक्टूबर को खेला जाएगा।यह वैश्विक आयोजन 2017 में फीफा अंडर -17 विश्व कप के बाद भारत द्वारा आयोजित दूसरा फीफा टूर्नामेंट होगा। इसका आयोजन 2021 में ही होना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे स्थगित करने का फैसला किया गया। वैसे इसका आयोजन मूल रूप से 2-21 नवम्बर 2020 में ही होना था लेकिन बाद में इसे कोरोना के कारण 17 फरवरी से 7 मार्च, 2021 तक के लिए निर्धारित किया गया था। इस घोषणा के बारे में एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा, अंडर-17 महिला विश्व कप भारत 2022 का आयोजन 11 से 30 अक्टूबर तक होगा। ,स्थानीय आयोजन समिति लगातार काम कर रही है। जो पहले ही पिछले संस्करण के साथ शुरू हो चुका था। जैसे-जैसे कोविड-19 की स्थिति में सुधार होता है, हम तेजी से काम पर लग जाएंगे। दास ने कहा कि इस टूर्नामेंट के माध्यम से एआईएफएफ भारत में महिल फुटबाल के विकास के अपने लक्षित उद्देश्यों को पूरा करने का प्रयास करेगा। भारत में होने वाला आयोजन फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का 7वां संस्करण होगा।

एशियाई स्तर पर सफलता को बड़े टूर्नामेंटों में दोहराने का समय : उपकप्तान सविता पूनिया

बेंगलुरू(एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम की उपकप्तान सविता पूनिया का मानना है कि अब एशियाई स्तर पर मिलने वाली सफलता को तोक्यो ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंटों में दोहराने का समय आ गया है। भारतीय महिला टीम ने एशियाई खेलों में एक स्वर्ण (1982) , दो रजत (1998 और 2018) और तीन कांस्य (1986, 2006, 2014) जीते हैं। इसके अलावा भारत ने एशिया कप में दो स्वर्ण (2004 और 2017), दो रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं।भारतीय महिला टीम ने 2018 में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी भी जीती थी। सविता ने कहा, 'हमने एशियाई स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इन टूर्नामेंटों में अच्छा खेलने से खिलाड़ियों खासकर युवाओं में बड़े टूर्नामेंटों में अच्छे प्रदर्शन का मनोबल बढ़ा है। मुझे लगता है कि हम बड़ी उपलब्धियों के लिये तैयार हैं।' गोलकीपर सविता ने कहा कि टीम ने पिछले तीन साल में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, 'हमने अपने आक्रमण पर मेहनत की है और अच्छी रफ्तार से खेल रहे हैं। टीम में काफी सकारात्मक बदलाव आए हैं। फिटनेस का स्तर भी बेहतर हुआ है।'

द्रविड़ भारत को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाना चाहते थे, लेकिन साथियों का समर्थन नहीं मिला : ग्रेग चैपल

(एजेंसी)।

भारतीय टीम के हेड कोच रहे पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ग्रेग चैपल ने हाल ही में कहा था कि सौरव गांगुली कप्तान बने रहना चाहते थे ताकि वह चीजों को कंट्रोल कर सकें, लेकिन वह अपने में सुधान नहीं करना चाहते थे। अब चैपल पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मौजूदा समय में नेशनल क्रिकेट अकादमी के प्रमुख राहुल द्रविड़ को लेकर टिप्पणी की है। ग्रेग चैपल ने कहा, राहुल द्रविड़ भारत को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाना चाहते थे, लेकिन उन्हें साथी खिलाड़ियों का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने कहा, राहुल ने वास्तव में भारत को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनाने के लिए निवेश किया, लेकिन टीम में सब एक जैसा नहीं सोचते थे। इसके बजाय वह टीम में बने रहने पर ज्यादा ध्यान देते थे। कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने विरोध किया क्योंकि उनमें से कईयों का करियर खत्म होने वाला था। चैपल ने कहा, जब सौरव को टीम से बाहर किया गया तो खिलाड़ियों का बहुत ध्यान था, क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि अगर वह जा सकते हैं, तो कोई भी जा सकता है। हमारे पास 12 महीने शानदार रहे, लेकिन फिर प्रतिरोध बहुत ज्यादा हो गया, गांगुली टीम में वापस आ गए। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों का संदेश स्पष्ट और स्पष्ट था - हम बदलाव नहीं चाहते। भले ही बोर्ड ने मुझे एक नया अनुबंध दिया था, लेकिन मैंने फैसला किया कि मुझे उस तरह के तनाव की आवश्यकता नहीं है। गौर हो कि राहुल द्रविड़ ने भारतीय टीम की 25 टेस्ट मैच और 79 वनडे मैचों में कप्तानी की और इस दौरान उनका रिकॉर्ड शानदार रहा और टीम इंडिया ने 50 मैच जीते। फिलहाल द्रविड़ के कोच बनने की खबरें सामने आ रही है। वह श्रीलंकाई दौरे पर भारतीय टीम के कोच के रूप में जाएंगे। भारत का श्रीलंका दौरान जुलाई में होगा और इस दौरान भारतीय टीम का एक दल इंग्लैंड में अंग्रेजों के खिलाफ टेस्ट सीरीज का तैयारी कर रहा होगा।

संक्षिप्त समाचार

फुटबॉल : कोलंबिया को कोपा अमेरिका की सह मेजबानी से हटाया गया

आसुंसियोन। दक्षिण अमेरिका फुटबॉल परिसंघ (कॉनमेबोल) ने गुरूवार को कहा कि कोलंबिया को देश में बढ़ते कोरोना वायरस के मामले और गृह अशांति के कारण कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट की सह मेहबानी से हटाया जाता है। कोलंबिया के चार शहरों में कोपा अमेरिका के मुकाबले होने थे और फाइनल मैच 10 जुलाई को बारकिला एस्टाडिओ मेट्रोपोलिटानो में होना था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार कॉनमेबोल ने बयान जारी कर कहा, आने वाले दिनों में इस बात की जानकारी दी जाएगी कि कोलंबिया में होने वाले मुकाबलों को कहां आयोजित किया जाएगा। कोलंबिया के खेल मंत्री एर्नेस्तो लुकेना ने कॉनमेबोल से कहा था कि जब तक कोरोना वायरस के प्रतिबंधों को हटाया नहीं जाता है तब तक इस टूर्नामेंट को स्थगित किया जाए। इसके बाद ही परिसंघ ने कोलंबिया को सह मेजबानी से हटाने की घोषणा की। कॉनमेबोल ने कहा कि व्यस्त वैश्विक फुटबॉल केलेंडर को देखते हुए इस टूर्नामेंट को स्थगित करना संभव नहीं है। कोलंबिया को सह मेजबानी से हटाने की सूरत में अर्जेंटाइन के राष्ट्रपति एलबटरे फर्नांडिज ने इस सप्ताह पूरे कोपा अमेरिका की मेजबानी करने का प्रस्ताव दिया था। कोलंबिया में कोरोना की तीसरी लहर चल रही है और कई शहरों में रात्रि कर्फ्यू लागू किया गया है जबकि भीड़ इक्ट्ठा करने पर भी पाबंदी लगी हुई है।

भारत के खिलाफ वाका में टेस्ट खेलने से आस्ट्रेलिया को फायदा होगा : पेरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर एलिस पेरी ने कहा है कि इस साल पर्थ में भारत की महिला टीम के खिलाफ एकमात्र डे-नाइट टेस्ट खेलने से घरेलू टीम को फायदा होगा क्योंकि पर्थ की पिच पर अतिरिक्त गति और उछाल होगी। भारत एक टेस्ट, तीन वनडेऔर तीन टी20 मैचों की पूरी सीरीज के लिए सितंबर-अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। वाका ग्राउंड में टेस्ट 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच होगा। यह ऐतिहासिक टेस्ट मैच 15 साल में ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय महिला टीमों के बीच पहला और भारत का पहला महिला डे-नाइट टेस्ट होगा। पेरी ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के हवाले से कहा, वहां पहले एक टेस्ट मैच खेलना - यह महिलाओं के टेस्ट के लिए बिल्कुल शानदार जगह है। जब ऑस्ट्रेलिया की महिलाओं ने आखिरी बार 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ में टेस्ट खेला था तब पेरी को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया था। उन्होंने आठ विकेट लिए और 71 रन बनाए थे। उन्होंने कहा, पिच थोड़ी अतिरिक्त गति और उछाल प्रदान करती है। गेंद वास्तव में अच्छी तरह से मूव करती है। यह निश्चित रूप से (हमारी) हमारी परिस्थितियों और क्रिकेट की ऑस्ट्रेलियाई शैली के पक्ष में है, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों के कौशल को देखते हुए, यह वास्तव में एक अच्छा मुकाबला होगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में विकेटकीपर के तौर पर पंत पहली पसंद होने चाहिए : साहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में ऋषभ पंत विकेटकीपर के तौर पर टीम इंडिया की पहली पसंद होने चाहिए।साहा 2014 तक भारतीय टेस्य टीम के विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद हुआ करते थे, लेकिन महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास लेने और पंत के उभरने के बाद उन्हें मौके कम मिलने लगे। पंत और साहा को इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में शामिल किया गया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।साहा ने स्पोटर्सकीड़ा से कहा, पंत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के कुछ मैच खेले हैं और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। पंत इंग्लैंड में विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद होने चाहिए। मैं इंतजार करूंगा और अगर कोई अवसर मिलेगा तो अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा।उन्होंने कहा, भले ही मैं प्रदर्शन करूं या नहीं, मैं अपने अंदर परिवर्तन नहीं करना चाहता हूं। हम बस प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और मैनेजमेंट को फैसला लेना है। पंत के डेब्यू करने के बाद भी साहा विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद थे। हालांकि चोटिल होने के

कारण वह पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भाग नहीं ले सके थे और पंत ने इस सीरीज में अहम भूमिका निभाई थी।साहा ने कहा, मैं खेलूं या नहीं लेकिन अभ्यास एक जैसा ही रहता है। मैं हमेशा सुधार करने की कोशिश करता हूं लेकिन अभ्यास सीजन और प्रोफेशनल मैच में अंतर होता है।

जाहिर है कि आईपीएल बायो बबल का उल्लंघन हुआ था : विलियम्सन

लंदन (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन का कहना है कि आईपीएल बायो बबल का उल्लंघन किया गया था और भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट को स्थगित कर सही फैसला लिया। आईपीएल फ्रेंचाइजों में कोरोना के मामले सामने आने के बाद गत चार मई को आईपीएल के 14 वें सीजन को स्थगित कर दिया गया था। विलियम्सन ने कहा, भारत में हालत बहुत तेजी से बिगड़े और इस चुनौती को देखना दिल दुखाने वाला था। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम इंग्लैंड में है, जहां उसे दो जून से इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट खेलनी है। इसके बाद उसे भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेलना है।विलियम्सन ने कहा, टूर्नामेंट के पहले हॉफ में बबल में हमें अच्छा लगा लेकिन जाहिर है कि इसमें कुछ उल्लंघन हुआ है। उन्होंने कहा, ऐसे में टूर्नामेंट को जारी नहीं रखा जा सकता था और इसे स्थगित करने का फैसला सही था। कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स की फ्रेंचाइजी में कोरोना के मामले सामने आए थे।

इंटर स्टेट एथलेटिक्स मीट अब बेंगलुरु में नहीं होगा

नई दिल्ली। अगले महीने होने वाले इंडियन ग्रां प्री 4 और इंटर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन अब बेंगलुरु में नहीं किया जाएगा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इसकी जानकारी दी। भारतीय एथलीटों के लिए टोक्यो ओलंपिक का कोटा हासिल करने के लिए यह आखिरी घरेलू टूर्नामेंट है। एएफआई ने सोशल मीडिया पर कहा, महासंघ इंडियन ग्रां प्री 4 और इंटर स्टेट चैंपियनशिप को बेंगलुरु से स्थानांतरित करने पर काम कर रहा है। पटियाला एक विकल्प के तौर पर उभरा है। कर्नाटक एथलेटिक्स संघ (केएए) ने कहा, कर्नाटक में लॉकडाउन के कारण निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है जिसके कारण टूर्नामेंट को कराना संभव नहीं है। एएफआई को इंडियन ग्रां प्री 4 और स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप को पटियाला में कराने की उम्मीद है।

द हंड्रेड के कारण भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज को आगे नहीं बढ़ाना चाहेगा ईसीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द हंड्रेड टूर्नामेंट के कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड के भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज को आगे बढ़ाने के अनुरोध को शायद स्वीकार नहीं करना चाहेगा। द हंड्रेड का आयोजन 21 जुलाई से होना है और भारत तथा इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज चार अगस्त से होनी है। ईसीबी चाहता है कि इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड के सभी खिलाड़ी उपलब्ध रहें क्योंकि इसमें पहले से ही ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के स्टार खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहे हैं। ऐसी चर्चा थी कि बीसीसीआई ने ईसीबी से कहा है कि वह टेस्ट सीरीज को 14 सितंबर से पहले तक खत्म कर ले जिससे आईपीएल के शेष मुकाबलों को कराया जा सके। हालांकि, ईसीबी ने शुक्रवार को आईएएनएस से कहा कि उसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को आगे बढ़ाने का कोई अनुरोध नहीं मिला है। कोरोना के कारण स्थगित किए गए आईपीएल 2021 के सीजन को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कराया जा सकता है। इस साल के आईपीएल में 31 मैच बाकी हैं और बीसीसीआई टूर्नामेंट को पूरा करने के लिए एक विंडो तलाश रहा है। हालांकि ईसीबी भारतीय बोर्ड के साथ अपने रिश्ते खराब नहीं करना चाहता। लेकिन इंग्लिश बोर्ड चाहता है कि द हंड्रेड में जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो और सैम करेन जैसे खिलाड़ी उपलब्ध रहे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा, बीसीसीआई का अनुरोध ईसीबी को दुविधा में डाल सकता है। वह पावरफूल बोर्ड के साथ अपने रिश्ते खराब नहीं करना चाहता और आईपीएल को कराने के लिए हर संभव मदद करना चाहेगा। इस मौके पर ईसीबी कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं करना चाहेगा। एथर्टन ने कहा, कोई भी फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्रभावित कर सकता है। ऐसी उम्मीद है कि इंग्लैंड के खिलाड़ी द हंड्रेड में खेलेंगे। एक अन्य परेशानी यह भी है कि पांचवें टेस्ट के पहले तीन दिन की टिकट बिक चुकी है। अगर सीरीज को आगे बढ़ाया जाता है तो इससे लॉजिस्टिक परेशानी खड़ी होगी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता के कारण विदेशी खिलाड़ियों के द हंड्रेड में शामिल नहीं होने से ईसीबी को इंग्लिश खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में लेना होगा और वह इस कारण टेस्ट सीरीज आगे बढ़ाने के अनुरोध को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं होगा।

माराडोना के इलाज में लापरवाही बरतने वाले 7 स्वास्थ्य कर्मियों पर चलेगा केस

स्पोर्ट्स डेस्क : फुटबॉल के दिग्गज डिएगो माराडोना की नवंबर में हुई मौत के मामले में 7 लोगों को औपचारिक जांच के तहत रखा गया है। आरोपियों में माराडोना के न्यूरोसर्जन लियोपोल्डो ल्यूक, मनोचिकित्सक अगस्टिना कोसाचोव और मनोवैज्ञानिक कार्लोस डियाज़ भी शामिल हैं और यदि इन पर माराडोना के इलाज में लापरवाही बरतने के आरोप साबित होते हैं तो 8 से 25 साल की जेल हो सकती है। जांच का नेतृत्व कर रहे सैन इसिड्रो अर्टोनी जनरल के कार्यालय के एक सूत्र ने कहा कि अभियोग विशेषज्ञों के एक बोर्ड द्वारा पिछले साल 60 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से माराडोना की मौत पर आधारित है। रिपोर्ट से निष्कर्ष निकाला गया कि फुटबॉल आइकन को अपर्याप्त चिकित्सा देखभाल मिली और उनकी मृत्यु से पहले लंबी, पीड़ादायक अवधि के लिए उन्हें उनके भाग्य पर छोड़ दिया गया था। माराडोना के इलाज में लापरवाही करने वाले आरोपियों के देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और जांचकर्ताओं द्वारा 31 मई से 14 जून के बीच पूछताछ की जाएगी। कानूनी कार्यवाही माराडोना की 5 में से 2 बेटियों द्वारा ल्यूक के खिलाफ दायर की गई शिकायत से प्रेरित है, जिसे उन्होंने मस्तिष्क की सर्जरी के बाद अपने पिता की बिगड़ती स्थिति के लिए दोषी ठहराया था। अभियोजकों का मानना है कि माराडोना की मौत उनके डॉक्टरों द्वारा की गई लापरवाही का परिणाम नहीं थी, लेकिन वे जानते थे कि पूर्व बार्सिलोना और नेपोली स्टार मर जाएगा और इसे रोकने के लिए उन्होंने कुछ नहीं किया। अभियोजकों ने संदेशों और ऑडियो की एक श्रृंखला हासिल की जो दर्शाती है कि चिकित्सा टीम को पता था कि माराडोना अपने जीवन के अंतिम महीनों में शराब, मानसिक दवा और मारिजुआना का उपयोग कर रहे थे।

१३ साल के बच्चे में मिला ब्लैक फंगस का पहला मामला

अहमदाबाद ।

गुजरात में पिछले डेढ़ साल से कोरोना महामारी का कहर बरपा कर रखा है । इस बीच कोरोना के बाद ब्लैक फंगस की वजह से हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट के बाद अब ग्रामीण इलाकों में भी ब्लैक फंगस का कहर बढ़ने लगा है । कोरोना संक्रमितों के बाद अब अहमदाबाद में एक १३ साल का बच्चा ब्लैक फंगस के चपेट में आ गया है । अहमदाबाद में एक १३ वर्षीय लड़का ब्लैक फंगस की चपेट में आ गया है । बच्चे की म्यूकोमाइकोसिस रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद शुक्रवार को अहमदाबाद के चांदखेड़ा स्थित खुशबू चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में बच्चे का ऑपरेशन किया गया। १३ साल के बच्चे में ब्लैक फंगस का यह पहला मामला है ।

मिल रही जानकारी के अनुसार ब्लैक फंगस की चपेट में आने वाला बच्चा पहले कोरोना की चपेट में आ चुका था । इतना ही नहीं बच्चे की मां भी कोरोना संक्रमित हो चुकी थी जि सकी वजह से उसकी मौत हो चुकी है । इसके अलावा बच्चा किसी और बीमारी से पीड़ति नहीं है । ''ब्लैक फंगस'' से पीड़ति मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ रही है । सूरत में पिछले २४ घंटों में म्यूकोमाइकोसिस की वजह से १० लोगों की मौत दर्ज की गई है । अहमदाबाद में अब तक एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है । अहमदाबाद में 'ब्लैक फंगस' के ४८० से अधिक मरीजों का इलाज चल रहा है । जबकि हर दिन करीब ४० नए मामले सामने आ रहे हैं ।

लगातार बढ़ती मरीजों की संख्या को देखते हुए ७ और ऑपरेशन थिएटर शुरू किए गए हैं । सूरत में २२३, वडोदरा में १९३ और राज कोट में ६२० मामले अब तक दर्ज हो चुके हैं ।

स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रमों के इंटरमीडिएट सेमेस्टर के छात्रों को मिलेगा मेरिट बेस प्रोग्रेशनः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कोर कमेटी की बैठक ने राज्य के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के विशाल हित में महत्वपूर्ण निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने विश्वव्यापी महामारी कोरोना संक्रमण के वर्तमान हालात में राज्य के युवा छात्रों को सुरक्षित रखने के स्वास्थ्य रक्षा भाव के साथ यह निर्णय किया है कि राज्य के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों-कॉलेजों में मेडिकल और पैरामेडिकल को छोड़कर स्नातक स्तर के अन्य सभी पाठ्यक्रमों के लिए इंडरमीडिएट सेमेस्टर के छात्रों को मेरिट आधारित प्रोग्रेशन दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कोर कमेटी के इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष कोविड-19 कोरोना संक्रमण की व्यापक परिस्थिति में प्रभावित हुए स्कूल-कॉलेजों के शैक्षणिक कार्यों के मद्देनजर यह मेरिट बेस प्रोग्रेशन केवल इस वर्ष के लिए देने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से मेरिट बेस प्रोग्रेशन देने के इस निर्णय का लाभ सरकारी और निजी विश्वविद्यालय तथा कॉलेजों के मेडिकल और पैरामेडिकल के सिवाय अन्य पाठ्यक्रमों के इंटरमीडिएट सेमेस्टर 2, 4 और जहां सेमेस्टर 6 भी इंटरमीडिएट हो, उन सभी छात्रों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे छात्रों की कुल संख्या लगभग 9.50 लाख है। शिक्षा मंत्री ने इंटरमीडिएट सेमेस्टर के छात्रों को दिए जाने वाले मेरिट आधारित प्रोग्रेशन की पद्धति के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इसके अंतर्गत अंकों की गणना के लिए 50 फीसदी ग्रेडिंग अंक आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर और शेष 50 फीसदी अंक पिछले सेमेस्टर में प्रदर्शन के आधार पर दिए जाएंगे। चूड़ास्मा ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय या कॉलेजों ने प्रायोगिक परीक्षा नहीं ली होगी, तो ऐसी स्थित में 50 फीसदी अंक आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर और शेष 50 फीसदी अंक पिछले सेमेस्टर के आधार पर दिए जाएंगे। वहीं, जिन मामलों में प्रायोगिक परीक्षाएं ली गई होंगी, उन मामलों में परीक्षा में प्राप्त वास्तविक अंकों को ध्यान में लिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य में अभी 18 से 44 आयु समूह के लोगों का कोरोना वैक्सीनेशन का काम चल रहा है। ऐसे युवा छात्रों में से ज्यादातर को वैक्सीन लगवानी बाकी है। ऐसे में पूरे छात्र जगत के विशाल स्वास्थ्य हित में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने यह अहम निर्णय किया है।

सीआर पाटिल को पूर्व बूटलेगर कहने पर सात शिकायतें दर्ज

गोपाल इटालिया के खिलाफ सूरत में ७ शिकायतें दर्ज, भाजपा के नाराज कार्यकर्ता के द्वारा कार्रवाई की मांग

सूरत ।

आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया की परेशानी बढ़ गई है। इटालिया के खिलाफ सूरत के सात अलग-अलग थानों में शिकायत दर्ज कराई गई है।

गोपाल इटालिया ने बीते दिनों गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल को सोशल मीडिया पर पूर्व बूटलेगर कर दिया था । जिसके बाद भाजपा के नाराज कार्यकर्ता उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं । गोपाल इटालिया की इस तरह की टिप्पणी के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कुल सात शिकायतें दर्ज कराई गई हैं । शिकायतों के अनुसार आम आदमी पार्टी के गुजरात अध्यक्ष और कार्यकर्ता ड्रग्स का सेवन कर गुजरात के लोगों को गुमराह कर रहे हैं । भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यकर्ता ने साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई है । साइबर क्राइम ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

इतना ही नहीं नाराज भाजपा नेता कह रहे हैं कि आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने गुजरात में किसी भी पार्टी के नेता के बारे में निराधार टिप्पणी या अश्लील टिप्पणी नहीं करना चाहिए । पाटिल को लेकर उन्होंने जिस तरीके से टिप्पणी की है उसके लिए

उनको माफी मांगना चाहिए । गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के खिलाफ बिना सबूत टिप्पणी कर उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है।

सूरत के किस पुलिस स्टेशन में शिकायत किसने दर्ज कराई ?

अडाजण में पीयूष कोरिया
अमरोली में कल्पेश देवाणी
कतारगाम में केतन कलथिया
कपोद्रा में विपुल सोरठिया
सरथाणा में दिनेश देसाई
पुणा में दिनेशभाई गोहिल
कामरेज में योगेश पटेल

राज्य में कोरोना वैक्सीन 'कोवेक्सिन' का होगा उत्पादन

अहमदाबाद ।

वैश्विक महामारी पर जीत के लिए टीकाकरण ही एकमात्र उपाय है । यही कारण है कि भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ''कोविशील्ड'' और भारत बायोटेक के ''कोवेक्सिन'' का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन करने की योजना बना रहा है । इसलिए अब भारत बायोटेक की कोवेक्सिन का उत्पादन गुजरात के अंकलेश्वर में भी होने जा रहा है । सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के कोविशिल्ड वैक्सीन और भारत बायोटेक के कोवेक्सिन वैक्सीन के अलावा रूस के स्पुतनिक वी वैक्सीन को आपातकाली इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है । हालाँकि देश में अधिकांश लोगों को कोविशिल्ड और कोवेक्सिन के टीके लगाए जा रहे हैं । कोरोना पर काबू पाने के लिए टीकाकरण की प्रक्रिया को गति दी गई है । इस बीच कई राज्यों ने वैक्सीन की कमी की शिकायत की थी । इतना ही नहीं कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए वैक्सीन उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है । इसलिए अब अंकलेश्वर में भारत बायोटेक की ''कोवेक्सिन'' का भी उत्पादन करने जा रही है।

भारत बायोटेक की सह-संस्थापक सुचित्रा एल्ला ने ट्वीट कर इस सिलसिले में जानकारी दी । अंकलेश्वर स्थित कंपनी की सहायक कंपनी चिरोन बेहरिंग वैक्सीन में भी वैक्सीन उत्पादन का शुरू किया गया है । वैक्सीन के निर्माण और पैकिंग की प्रक्रिया जून के पहले सप्ताह से शुरू हो सकती है । ''चिरोन बेहरिंग वैक्सीन'' में सालाना २०० मिलियन खुराक का उत्पादन करने की क्षमता है। यहां रेबीज का टीका तैयार किया जाता है। हालांकि, कोरोना वैक्सीन का अधिकतम उत्पादन करने के लिए रेबीज वैक्सीन का उत्पादन फिलहाल के लिए रोक दिया गया है।

बिल्डर की हत्या के लिए ८० हजार में सुपारी ली थी

पुलिस ने इस प्रकरण में चार हत्यारे को गिरफ्तार किया लेकिन मुख्य आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्तारी से दूर

तापी ।

तापी के व्यारा में हुई बिल्डर युवक की हत्या की गुत्थी आखिर में सुलझाई है । पुलिस ने इस प्रकरण में चार हत्यारे को गिरफ्तार किया गया है । लेकिन मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्तारी से दूर है । हत्यारा सुपारी किलर निकला है । तापी के व्यारा नगर से जाते हुए हाइवे पर गत १४ मई को रात को कर्फ्यू पहले ही एक बिल्डर युवक की हत्या पूरे शहर में चर्चा का माहौल बन गया था । घर से तरबूज लेने के लिए निकले बिल्डर रास्ते के बीच ही तलवार और चाकू से वार करके हत्या करके हत्यारा फरार हो गया ।

आखिर में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए खोजबीन शुरू करके चार शख्सों को गिरफ्तार कर लिया गया है । आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज, कार की नंबर प्लेट और विभिन्न सर्वेलंस के आधार पर यह शख्सों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें दो हत्यारे

प्रतीक चुडासमा और नवीन चुडासमा निकले जबकि अन्य दो शख्स व्यारा के जिसकी हत्या में मदद करने के आरोप में गिरफ्तारी की गई है।

जांच में सामने आया है कि व्यारा के नवीन खटीक नाम के आरोपी ने ८० हजार की सुपारी बिल्डर की हत्या के लिए दी थी, नवीन खटीक हाल पुलिस गिरफ्तारी से दूर है । तापी के व्यारानगर में हुई सनसनी बिल्डर हत्या प्रकरण में पुलिस अभी सिर्फ चार हत्यारों तक पहुंची है । अब हत्या के लिए असली कारण क्या और अन्य कौन-कौन इस हत्या में शामिल है यह सभी सवालों के जबाव मुख्य आरोपी गिरफ्तार हो तब सामने आये वैसा है ।

सूरत में २३ दिन बाद फिर से खुल गया कपड़ा बाजार

सूरत ।

राज्य सरकार ने सुबह ९ बजे से दोपहर ३ बजे तक अभी तक बंद दुकानें एक बार फिर खोलने की अनुमति दे दी है । इसलिए सूरत के कपड़ा बाजार २३ दिन बाद फिर से खुल गए हैं । कपड़ा बाजार खुलते ही बड़ी संख्या में कर्मचारी और खरीददार बाजार में पहुंच रहे हैं । हालांकि बाजार में प्रवेश के लिए कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है । सूरत की कपड़ा मंडी में कोरोना टेस्ट अनिवार्य किए जाने के बाद कर्मचारियों की जांच के लिए लाइन लग गई है । कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए व्यापारी सक्रिय हैं । कपड़ा बाजार में बहुत से लोगों का जीविकोपार्जन करती । २३ दिनों से बाजार बंद होने की वजह से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था । आंशिक लॉकडाउन की वजह से सूरत का हीरा उद्योग और कपड़ा बाजार बिल्कुल ठप हो गया था । लेकिन सरकार ने अब धीरे-धीरे छूट देना शुरू कर दिया है । जिसकी वजह से बाजारों में एक बार फिर से रौनक आने लगी है । हालांकि कपड़ा बाजार में एंट्री के लिए सभी को सरकार के कोरोना दिशा-निर्देशों का पालन करना पड़ रहा है । गुजरात सरकार ने २१ मई को सुबह ९ बजे से दोपहर ३ बजे तक दुकानें खोलने की अनुमति देने का फैसला किया है । सरकार की ओर से दी गई इस रियायत से छोटे और मध्यम के साथ-साथ खुदरा विक्रेताओं का भी कारोबार शुरू हो जाएगा और उनकी आमदनी शुरू हो जाएगी । साथ ही ग्राहकों को अपनी पसंद का सामान खरीदने का मौका मिलेगा ।

डॉ. करण को कोरोना मरीज का मुफ्त उपचार करने का आदेश

डॉक्टर ने झालोद कोर्ट में अर्जी करने पर कोर्ट ने अर्जी रद्द करने पर दाहोद कोर्ट में जमानत अर्जी की गई थी

दाहोद ।

सरकारी एंटिजन रैपिड कीट द्वारा गैरकानूनी तरीके से टेस्ट करके पैसा लेने वाले डॉक्टर को जमानत ३० सितंबर तक सप्ताह के चार दिन रोजाना ८ घंटे कोरोना मरीजों की मुफ्त उपचार करने का दाहोद सेंशन कोर्ट का आदेश हुआ है । मिली जानकारी के अनुसार हाल में चल रही कोरोना महामारी के बीच भी कई लोग पैसा कमाने और कालाबाजारी से बाज नहीं आते कई डॉक्टर खुली लूट चला रहे है । अब ऐसा ही मामला दाहोद जिले में भी हुआ है । जिसमें झालोद तहसील की लीमडी में निजी डॉक्टर करण देवडा अपने क्लिनिक में पैसे लेकर रैपिड टेस्ट करते होने की शिकायत की वजह से झालोद तहसील हेल्थ अधिकारी की टीम ने करण देवडा के क्लिनिक पर छापेमारी करने पर एंटिजन रैपिड कीट मिली थी । जिसकी वजह से करण देवडा के विरूद्ध लीमडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराकर कानूनी कार्रवाई की गई थी ।

पूछताछ में बहार झालोद तहसील स्वास्थ्य कार्यालय में ड्यूटी कर रहे धर्मेन्द्र चौहाण से लिया था । पुलिस शिकायत होने पर हेल्थ कर्मी अंडरग्राउंड हो गया जबकि करण देवडा को गिरफ्तार कर लिया गया । आरोपी डॉक्टर ने जमानत के लिए झालोद कोर्ट में अर्जी करने पर कोर्ट ने जमानत अर्जी रद्द करने पर दाहोद सेशंस कोर्ट में जमानत अर्जी की गई थी । जिसमें जज द्वारा जिला कलेक्टर विजय खराडी और जिला विकास अधिकारी रचित राज के साथ चर्चा करके हाल में चल रही कोरोना महामारी और डॉक्टरों की कमी को ध्यान में रखकर आरोपी की योग्यता के अनुसार इसकी सेवा लेने का निश्चय किया गया ।

आरोपी डॉक्टर करण देवडा को जिले की सरकारी अस्पताल में ३० सितंबर तक सोमवार से गुरुवार तक इस तरह सप्ताह के चार दिन रोजाना ८ घंटे मुफ्त कोरोना मरीज के उपचार करने का आदेश दिया गया है ।

तूफान की वजह से हाफुस आम २० रुपये किलो बिका

वलसाड ।

तौकते तूफान ने तबाही मचाते हुए और आम की फसल गिर जाने से किसानों को भारी नुकसान भुगतना पड़ेगा । दक्षिण गुजरात में तूफान की वजह से जमीन पर गिर गई १७,१३० टन आम बेचने के लिए किसानों ने एपीएमसी मार्केट और मंडलियों ने लाइन लगाई थी । तूफान पहले जो हाफुस और केसर की कीमत किसानों को ११०० से १४०० रुपये मिलता था । यह तूफान के बाद २०० से ४०० रुपया हो गया है । जिसकी वजह से किसानों की पूरे वर्ष की मेहनत बेकार चली गई है । सूरत जिले में ३०६३ हेक्टेयर जमीन पर आम की फसल तैयार हुई थी । तूफान की वजह से आम गिर जाने से दूसरे दिन किसानों ने एपीएमसी मार्केट में इसे बेचने के लिए लाइन लगाई थी । सूरत एपीएमसी मार्केट में करीब ८ हजार टन आम बेचने के लिए आई थी । जिले में ११०० से १४०० की कीमत पर बेची जाती केसर आम बुधवार को १०० रुपये मण बेची गई थी । नवसारी जिले में चालू वर्ष में ३४ हजार हेक्टेयर में आम की फसल तैयार हुई थी, जिसमें ४० फीसदी आम पहले उतार ली गई थी । बाकी रही ६० फीसदी आम में से ४० फीसदी आम तूफान की वजह से गिर गई थी ।

तूफान पहले केसर और हाफुस की कीमत १५०० से २००० रुपया मण था, यह बुधवार को २०० से ८०० रुपये भी बेची गई थी । तौकते तूफान ने सिर्फ आम नहीं लेकिन मग तथा मूंगफली जैसे अन्य फसल को भी नुकसान पहुंचा है । सौराष्ट्र में करीब ९० फीसदी खड़ी फसल नष्ट हुई है । सामान्य रूप से यह समय में ८ लाख जमीन पर बुवाई हुई है । इस बार पानी का प्रश्न नहीं होने से १०.५ लाख हेक्टेयर जमीन पर बुवाई हुई थी, जिसकी वजह से नुकसान भी ज्यादा होने की संभावना है ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)